भाद्रपद शुक्ल - 1 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 32 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 24-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 न्यायिक व्यवस्था का सुगम होना आवश्यक : योगी

6 लेटिनेंट शशांक तिवारी: साथी की रक्षा के लिए लगाई छलांग, जलधारा में दिया कर्तव्य के लिए बलिदान

7 परफेक्ट होना जरूरी नहीं, गलतियां भी ठीक हैं : अनन्या पांडे

फर्स्ट टेक

रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने 7 यूक्रेनी ड्रोन नष्ट किए

मास्को/भाषा। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ड्यूटी पर तैनात रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने शनिवार की सुबह रोस्तोव और वोल्गोग्राड क्षेत्रों के साथ-साथ क्रास्नोडार क्षेत्र में सात यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। नुकसान की कोई जानकारी नहीं है। मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि रात मध्यरात्रि से 01:40 मास्को समय शुक्रवार को 22:40 जीएमटी तक ड्यूटी पर तैनात वायु रक्षा प्रणालियों ने सात यूक्रेनी मानवरहित हवाई वाहनों को नष्ट कर दिया। ये मानवरहित विमान चार रोस्तोव क्षेत्र के ऊपर, दो वोल्गोग्राड क्षेत्र के ऊपर और एक क्रास्नोडार क्षेत्र के ऊपर उड़ रहे थे। नुकसान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

अल सल्वाडोर तट पर 6.0 तीव्रता का भूकंप आया

सैन सल्वाडोर (अल साल्वाडोर)/एपी। ग्वाटेमाला और अल सल्वाडोर के तट के पास शनिवार सुबह प्रशांत महासागर में बड़ा भूकंप आया। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने यह जानकारी दी। सुबह 4:14 बजे 10 किलोमीटर की गहराई पर 6.0 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। इसका केंद्र अल सल्वाडोर के अकाजुटला से 81 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम और ग्वाटेमाला के प्यूर्टो सैन जोस से 107 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में था। अकाजुटला, अल सल्वाडोर का प्रमुख वाणिज्यिक बंदरगाह है और इसका उपयोग क्रूज जहाजों द्वारा भी किया जाता है। प्यूर्टो सैन जोस, ग्वाटेमाला के प्रशांत तट पर स्थित सबसे बड़ा शहर है। किसी प्रकार के नुकसान या हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं मिली।

भारत ने अपने हवाई क्षेत्र में पाकिस्तानी विमानों पर लगी पाबंदी बढ़ाई

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने अपने हवाई क्षेत्र में पाकिस्तानी विमानों पर लगी पाबंदी 24 सितंबर तक के लिए बढ़ा दी है। पाकिस्तान ने भी भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने की अवधि 24 सितंबर तक बढ़ा दी है। दोनों देशों ने हवाई क्षेत्र को बंद रखने की अवधि बढ़ाने के लिए अलग-अलग 'नोटिस टू एयरमेन' जारी किए हैं। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने 30 अप्रैल से पाकिस्तान के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। तब से भारत प्रतिबंध की अवधि बढ़ाता रहा है। 'नोटिस-टू-एयरमैन' के अनुसार भारतीय हवाई क्षेत्र पाकिस्तान में पंजीकृत विमानों और पाकिस्तानी एयरलाइंस/ऑपरेटरों द्वारा संचालित/स्वामित्व वाले या पट्टे पर लिए गए विमानों, जिनमें सैन्य उड़ानें भी शामिल हैं, के लिए उपलब्ध नहीं होगा।

24-08-2025 सूर्यास्त 6:24 बजे | 25-08-2025 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
81,306.85	24,870.10
(-693.86)	(-213.65)

सोना	चांदी
10,418 रु.	127,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

वजीर का दम

हल हो सकती सभी समस्या,
यदि हम सब गंभीर हैं।
दुश्मन की औकात नहीं यदि,
सीमा पर रणधीर हैं।
गठबंधन होते सुखदायक,
नेता यदि प्रणवीर हैं।
खत्म न होती कभी बाजियां,
जीवित जहां वजीर हैं।।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सुधार जारी रखेगी सरकार : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हमारे लिए सुधार न तो कोई मजबूरी है और न ही संकट से प्रेरित, बल्कि यह प्रतिबद्धता और दृढ़ विश्वास का विषय है।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद जताते हुए शनिवार को कहा कि सरकार 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सुधार जारी रखेगी। मोदी ने कहा कि अगली पीढ़ी की वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार प्रक्रिया इस दिवाली से पहले पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे जीएसटी कानून सरल हो जाएगा और कीमतें कम होंगी।

प्रधानमंत्री ने निजी क्षेत्र से स्वच्छ ऊर्जा, क्वांटम प्रौद्योगिकी, बैटरी भंडारण, उन्नत सामग्री और जैव प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास में निवेश बढ़ाने का आग्रह किया।

'इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम' में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा, हम जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि विश्व की वृद्धि में भारत का योगदान बहुत जल्द लगभग 20 प्रतिशत होने जा रहा है। मोदी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में जो वृद्धि दिख रही है, वह पिछले 10 वर्षों में व्यापक आर्थिक स्थिरता के कारण है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविड महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद भारत का राजकोषीय घाटा 4.4 प्रतिशत तक कम हो गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां पूंजी बाजारों से रिकॉर्ड धन जुटा रही हैं। उन्होंने कहा कि बैंक अब काफी मजबूत हैं, महंगाई बहुत कम है, ब्याज दरें कम हैं और चालू खाता घाटा नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर महीने लाखों घरेलू निवेशक एसआईपी के जरिए पूंजी बाजार में हज़ारों करोड़ रुपये लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब आर्थिक बुनियाद मज़बूत होती है, तो सकारात्मक प्रभाव चारों ओर दिखाई देता है। मोदी ने कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के जून के नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि 22 लाख औपचारिक नौकरियां जुड़ी हैं, जो किसी एक महीने में अब तक की सबसे ज़्यादा संख्या है। उन्होंने कहा कि खुदरा महंगाई 2017 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमारे लिए सुधार न तो कोई मजबूरी है और न ही संकट से प्रेरित, बल्कि यह प्रतिबद्धता और दृढ़ विश्वास का विषय है।''

अगले 15 वर्षों में 100 से अधिक उपग्रह प्रक्षेपित करेगा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत अगले 15 वर्षों में 100 से अधिक उपग्रहों को प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि ये उपग्रह सरकारी प्रौद्योगिकी अभियानों और निजी क्षेत्र के नेतृत्व वाले परिचालन मिशनों के तहत प्रक्षेपित किए जाएंगे।

सिंह ने दूसरे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में यहां आयोजित समारोह के दौरान अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए अगले 15 वर्षों के वास्ते एक प्रारूप भी जारी किया। इस समारोह में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन, आईएनएसपीएसी के अध्यक्ष पवन गोयनका और 'गगनयान' मिशन के लिए चुने गए चार अंतरिक्ष यात्री भी मौजूद थे।

सिंह ने कहा कि यह रोडमैप 2040 और उसके आगे भारत की अंतरिक्ष यात्रा का मार्गदर्शन करेगा तथा खाद्य एवं जल सुरक्षा, आपदा प्रबंधन क्षमता, पर्यावरणीय स्थिरता और समावेशी विकास के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण का समर्थन करेगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम एक परिवर्तनकारी दौर में प्रवेश कर चुका है, जहां यह अब प्रतीकात्मक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी नवाचार और जन कल्याण में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बन गया है।

भाजपा-आरएसएस ने गरीबों के लिए अवसरों के दरवाजे बंद कर दिए : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधी ने दावा किया कि पहले दलितों, अति पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के पास सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सशस्त्र बलों में करियर बनाने का अवसर होता था लेकिन अब यह विकल्प खत्म हो चुका है।

कटिहार (बिहार)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र में सत्ता में आने के बाद से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गरीब तबकों के लिए अवसरों के दरवाजे बंद कर दिए हैं और अब वह बिहार में ''वोट चुराने'' की कोशिश कर रही है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले राज्यव्यापी ''वोटर अधिकार यात्रा'' के तहत कटिहार जिले में देर शाम एक रैली को संबोधित करते हुए यह आरोप लगाया।

संविधान की एक प्रति लहराते हुए उन्होंने कहा, ''बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा लिखी गई यह किताब भले ही सौ साल से कम पुरानी हो लेकिन जिन विचारों को यह दर्शाती है, वे हजारों साल पुराने हैं। भाजपा और आरएसएस इन विचारों के खिलाफ हैं।''

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का मानना है कि दलितों का उत्थान नहीं होना चाहिए, अति पिछड़ों को सामाजिक सीढ़ी पर ऊपर नहीं चढ़ने देना चाहिए और महिलाओं को अधिक स्वतंत्रता नहीं दी जानी चाहिए।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''भाजपा-आरएसएस ऐसे मॉडल के पक्षधर हैं जिसमें सारी ताकत एक संगठन के हाथों में सिमटी हो और सारी संपत्ति कुछ बड़े कारोबारी घरानों जैसे अंबानी और अदाणी के पास केंद्रित हो। नतीजतन वंचित वर्गों के लिए अवसरों के दरवाजे बंद हो गए हैं।''

नरेन्द्र मोदी सरकार के निजीकरण पर जोर और अग्निवीर योजना की ओर इशारा करते हुए गांधी ने दावा किया कि पहले दलितों, अति पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के पास सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सशस्त्र बलों में करियर बनाने का अवसर होता था लेकिन अब यह विकल्प खत्म हो चुका है।

पारंपरिक कृषि पद्धतियों और प्रौद्योगिकी का तालमेल भारतीय कृषि को आत्मनिर्भर बना सकता है : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि भारत आधुनिक प्रौद्योगिकी को पारंपरिक कृषि पद्धतियों और पशुपालन के साथ मिलाकर तथा देशी मवेशी पालन करके कृषि में आत्मनिर्भर बन सकता है।

भागवत ने यहां ज्येष्ठ पशुवैद्य प्रतिष्ठान के 28वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित किया, जहां किसानों, पशु चिकित्सा स्नातकों और विशेषज्ञों को सम्मानित किया गया। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताएं भारत के लिए कृषि में आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। उन्होंने कहा, कृषि और पशुपालन की भारतीय पद्धतियों के साथ आधुनिक पद्धतियों को मिश्रित करने से किसानों को लाभ होगा और देश आत्मनिर्भरता प्राप्त करेगा।

भागवत ने कहा कि पशु चिकित्सकों को उन जीवों के दर्द को समझने की कला आती है, जो न तो बोल सकते हैं और न ही इलाज के दौरान विरोध कर सकते हैं, फिर भी वे उन्हें ठीक कर देते हैं। उन्होंने कहा, प्राचीन पशु चिकित्सा विशेषज्ञ शालिहोत्र ने घोड़े की आयु और गुण निर्धारित करने का विज्ञान बताया था। यह परंपरा हमारे लिए गर्व की बात है।

आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि यदि जहां आवश्यक हो, पश्चिमी तकनीक और आधुनिकता को अपनाया जाए और भारतीय कृषि एवं पशुपालन पद्धतियों के साथ समन्वय किया जाए, तो किसानों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी मवेशियों और पारंपरिक कृषि प्रणालियों में लोगों का विश्वास बढ़ रहा है।

टीएमसी विधायक के घर सीबीआई का छापा

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के एक दल ने सरकारी आरजी कर अस्पताल में चिकित्सा उपकरणों की खरीद में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में उत्तर कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक डॉ. सुदीप्तो रॉय के आवास पर छापा मारा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जब जांच अधिकारी श्रीरामपुर के विधायक रॉय के घर पर पहुंचे तब वह वहां नहीं थे और जांच अधिकारी रॉय के स्वामित्व वाले नर्सिंग होम भी गए और उनके कार्यालय में कागजात का निरीक्षण किया।

द्रमुक नेता रेगुपति ने अमित शाह पर निशाना साधा, कहा

उदयनिधि भविष्य में मुख्यमंत्री बनेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुकोट्टई। तमिलनाडु सरकार में मंत्री एस रेगुपति ने शनिवार को कहा कि राज्य के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन भविष्य में मुख्यमंत्री जरूर बनेंगे और इसमें कोई संदेह नहीं है। पुडुकोट्टई में संवाददाताओं से मुखातिब रेगुपति ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अतीत में राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों ने यह भी दावा किया था कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) प्रमुख एमके स्टालिन कभी मुख्यमंत्री नहीं बन पाएंगे। रेगुपति ने कहा कि स्टालिन ने इन दावों को झुठलाते हुए सफलतापूर्वक मुख्यमंत्री पद हासिल किया। उन्होंने कहा कि इसी तरह उदयनिधि स्टालिन भी भविष्य में मुख्यमंत्री बनेंगे और इसमें कोई संदेह नहीं है। द्रमुक को सत्ता से उखाड़ फेंकने की गृह मंत्री की टिप्पणी पर रेगुपति ने कहा कि पार्टी की जड़ें इतनी गहरी हैं कि शाह उन्हें ढूंढ़ भी नहीं पाएंगे। उन्होंने कहा, शाह जड़ों को हिला भी नहीं सकते। शाह ने 22 अगस्त को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर निशाना साधते हुए कहा था कि उनका एकमात्र एजेंडा अपने बेटे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना है। उन्होंने कहा था कि इसी तरह स्टालिन का एकमात्र एजेंडा अपने बेटे उदयनिधि को मुख्यमंत्री बनाना है।

गृह मंत्री ने तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा था कि सोनिया और स्टालिन अपने एजेंडे में सफल नहीं हो पाएंगे, क्योंकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विजयी बनकर उभरेगा। शाह की इस टिप्पणी पर कि स्टालिन को 130वें संविधान संशोधन विधेयक को 'काला विधेयक' कहने का कोई अधिकार नहीं है, रेगुपति ने कहा कि उनकी पार्टी न्यायपालिका में विश्वास करती है, न कि भाजपा शासन की ओर से लाए गए काले विधेयक' में। उन्होंने भरोसा जताया कि संसद में उस काले विधेयक' का पारित होना दूर की बात है और अगर इसे पारित कर भी दिया गया, तो पार्टी के वकील अदालत में इसकी वैधता को सफलतापूर्वक चुनौती देने में सक्षम होंगे।

रेगुपति ने एक सवाल के जवाब में कहा कि तमिलनाडु में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजे शाह को सबक सिखाएंगे कि राज्य में चुनावी परिदृश्य देश के अन्य हिस्सों से बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा, शाह तमिलनाडु के चुनावी परिदृश्य से अनजान हैं और द्रमुक राज्य में अपनी सत्ता बरकरार रखेगी। शाह ने भरोसा जताया था कि तमिलनाडु में भाजपा, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) और राजग के अन्य घटक दल 2026 के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज कर सरकार बनाएंगे।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पाक-अमेरिका संबंधों पर कहा

उनका इतिहास रहा है और इसे नजरअंदाज करने का भी इतिहास रहा है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यह वही सेना (अमेरिकी सेना) है, जो एबटाबाद गई थी और वहां, आप जानते हैं, कौन (ओसामा बिन लादेन) मिला।

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि अमेरिका और पाकिस्तान का एक दूसरे के साथ इतिहास रहा है, लेकिन वे उस इतिहास को नजरअंदाज भी करते रहे हैं। उन्होंने 2011 में इस्लामाबाद के निकट अलकायदा सरगना ओसामा बिन लादेन को मार गिराये जाने की याद दिलाई।

जयशंकर की यह टिप्पणी ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों के बारे में पूछे जाने पर आई।

अमेरिका-पाकिस्तान का जिक्र करते हुए उन्होंने 'इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम' में कहा, ''उनका एक-दूसरे के साथ इतिहास रहा है। और उस इतिहास को नजरअंदाज करने का भी उनका इतिहास रहा है। यह पहली बार नहीं है जब हमने ऐसी चीजें देखी हैं।'' विदेश मंत्री ने कहा, ''यह वही सेना है, जो एबटाबाद गई थी और वहां, आप जानते हैं, कौन मिला।''

लादेन को अमेरिकी नौसेना के सील्स ने दो मई, 2011 को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के पास स्थित छावनी क्षेत्र एबटाबाद में मार गिराया था। अमेरिका ने इस अति-गोपनीय अभियान को अंजाम देने से पहले पाकिस्तान को इसकी सूचना नहीं दी थी।

अपने संबोधन में जयशंकर ने भारत-अमेरिका संबंधों की मजबूती पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, ''स्पष्टतः, मैं परिस्थिति या चुनौती के अनुसार प्रतिक्रिया करता हूं। लेकिन मैं ऐसा हमेशा संबंधों की व्यापक संरचनात्मक मजबूती और उससे उत्पन्न होने वाले आत्मविश्वास को ध्यान में रखते हुए करता हूं।''

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति विक्रमसिंघे हिरासत के बाद आईसीयू में स्थानांतरित

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को शनिवार को कोलंबो नेशनल हॉस्पिटल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में स्थानांतरित कर दिया गया। उन्हें एक दिन पहले ही उनके कार्यकाल के दौरान सरकारी धन के कथित दुरुपयोग के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया। विक्रमसिंघे (76) को कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट की अदालत द्वारा 26 अगस्त तक हिरासत में भेजे जाने के बाद शुक्रवार आधी रात के करीब मुख्य मैगजीन रिमांड जेल ले जाया गया।

जेल प्रवक्ता जगत वीरसिंघे ने शनिवार को बताया कि विक्रमसिंघे को जेल अस्पताल में भर्ती कराया गया, क्योंकि उनका रक्त शर्करा और रक्तचाप का स्तर अधिक था। दोपहर तक उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ और जेल के चिकित्सकों ने उन्हें कोलंबो नेशनल हॉस्पिटल में स्थानांतरित करने की सलाह दी। अस्पताल की निदेशक डॉ. रुखशान बेलाना ने संवाददाताओं को बताया कि विक्रमसिंघे को पहले गहन देखभाल इकाई में रखा गया था, लेकिन बाद में उन्हें कोलंबो नेशनल हॉस्पिटल की गहन देखभाल इकाई में स्थानांतरित कर दिया गया।

अमेरिकी सीमा शुल्क नियमों में स्पष्टता के अभाव में

अमेरिका के लिए डाक सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संचार मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि अमेरिकी सीमा शुल्क विभाग द्वारा जारी नए मानदंडों में स्पष्टता के अभाव के कारण हवाई वाहक कंपनियों ने अमेरिका जाने वाली डाक ले जाने से इनकार कर दिया है और इस वजह से अमेरिका के लिए डाक सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई हैं।

हालांकि, 100 अमेरिकी डॉलर तक के पत्रों, दस्तावेजों और उपहार वस्तुओं के लिए सेवाएं जारी रहेंगी। अमेरिकी प्रशासन ने 30 जुलाई, 2025 को जारी एक कार्यकारी आदेश में कहा था कि 100 अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य के सामान पर 29 अगस्त से अमेरिका में सीमा शुल्क लागू होगा। कार्यकारी आदेश के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय डाक नेटवर्क के जरिये खेप पहुंचाने वाले परिवहन वाहकों को डाक पर शुल्क लेना और उसका भुगतान करना आवश्यक है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हालांकि अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) ने 15 अगस्त, 2025 को कुछ दिशानिर्देश जारी किए थे, लेकिन ''योग्य पक्षों'' के पदनाम और शुल्क संग्रह व प्रेषण की व्यवस्था से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं अभी भी अनिर्धारित हैं।

मंत्रालय ने कहा कि ऐसे में अमेरिका जाने वाली एयरलाइनों ने परिचालन और तकनीकी तैयारी की कमी का हवाला देते हुए 25 अगस्त, 2025 के बाद डाक खेप स्वीकार करने में असमर्थता जताई है। इस घटनाक्रम के बाद, डाक विभाग ने 25 अगस्त, 2025 से अमेरिका जाने वाली सभी प्रकार की डाक वस्तुओं की बुकिंग अस्थायी रूप से निलंबित करने का निर्णय लिया है,'' हालांकि इनमें 100 अमेरिकी डॉलर तक मूल्य के पत्र, दस्तावेज और उपहार वस्तुएं शामिल नहीं हैं। बयान में कहा गया कि सीबीपी और संयुक्त राष्ट्र डाक सेवा (यूएसपीएस) से आगे स्पष्टीकरण के आधार पर इन छूट प्राप्त श्रेणियों को स्वीकार किया जाएगा और अमेरिका भेजा जाएगा।

तूफानों से जूझने की आदत है, राक्षसी ताकतों से नहीं डरती: रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

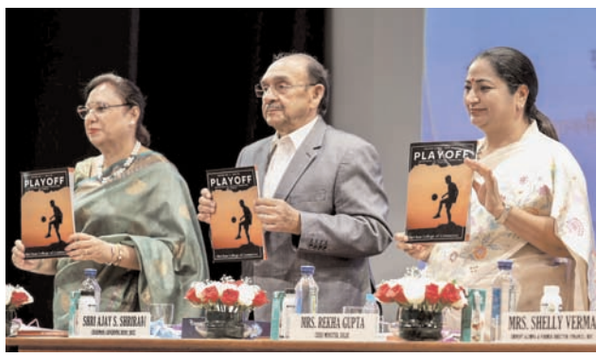

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि उन्होंने कई चुनौतियों का सामना किया है और किसी भी राक्षसी ताकत से नहीं डरतीं।

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) के वार्षिक समारोह को संबोधित करते हुए गुप्ता ने अपने छात्र जीवन को याद किया और बताया कि किस तरह से इन अनुभवों ने उनकी राजनीतिक यात्रा को आकार दिया। निजी किस्से साझा करते हुए, गुप्ता ने कहा कि कॉलेज के दिन उनके जीवन के सुनहरे अध्याय हैं। उन्होंने श्रोताओं से कहा, जब भी मैं विश्वविद्यालय परिसर में लौटती हूं, उम्र और पद का अंतर मिट जाता है, और मेरे छात्र जीवन के दिन एक बार फिर जीवंत हो उठते हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कैसे 1993 में एसआरसीसी में संस्थान के उच्च 'कट-ऑफ' अंकों के कारण उन्हें प्रवेश नहीं मिल पाया था। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, शायद मुझे यहां आने के लिए मुख्यमंत्री बनना पड़ा।

अपने छात्र जीवन के दिनों को याद करते हुए, गुप्ता ने कैंटीन की बातचीत, कक्षा में हंसी-मज़ाक, देर रात तक परीक्षा की तैयारियों और कमला नगर में दोस्तों के साथ लंबी सैर के बारे में बताया। उन्होंने कहा, ये ऐसी यादें हैं जिन्हें मैं आज भी संजोकर रखती हूं और जो मुझे प्रेरित करती रहती हैं।

गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) की अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान एक कठिन दौर को भी याद किया, जब एक प्रदर्शन के दौरान हुई दुर्घटना में उन्हें गंभीर चोटें आई थीं।

उन्होंने कहा, मैंने लगभग डेढ़ महीने तक दर्द और चुनौतियों का सामना किया। लेकिन मैंने कभी हार नहीं मानी। मुझे तूफानों से जूझने की आदत है...मैं किसी भी राक्षसी ताकत से डरने वाली नहीं हूं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, विद्यार्थी जीवन में सीखे गए सबक आपको नेतृत्व करने, संवेदनशील बने रहने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने का साहस देते हैं।

यूरोपीय संघ, अमेरिका, चिली और पेरू के साथ एफटीए के लिए भारत की बातचीत: गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत यूरोपीय संघ, अमेरिका, चिली और पेरू सहित कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत की ओर देख रही है और कई विकसित अर्थव्यवस्थाएं हमारे साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रही हैं।

गोयल ने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय दिन-रात इन वार्ताओं में शामिल है। उन्होंने कहा, सुबह के समय ऑस्ट्रेलिया और जापान में दफ्तर खुल जाते हैं, दोपहर का समय होता है तो यूरोप खुल जाता है और शाम के समय अमेरिका से बातचीत शुरू हो जाती है... पेरू, चिली से बातचीत शुरू हो जाती है। मंत्री यहां उद्यमी एवं व्यापारी नेतृत्व शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। भारत और अमेरिका मार्च से द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत कर रहे हैं। अब तक पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। अमेरिका ने भारत में होने वाली छठे दौर की वार्ता स्थगित कर दी है। गौरतलब है कि अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का भारी-भरकम शुल्क लगाया है। फिलहाल 25 प्रतिशत शुल्क लागू है।

आईआईटी मुंबई ने चंद्रयान-2 के आंकड़ों के जरिये चंद्रमा के रसायन विज्ञान का मानचित्रण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-मुंबई के छात्रों ने चंद्रयान-2 मिशन से एकत्र किए गए आंकड़ों का उपयोग करके चंद्रमा की सतह के रसायन विज्ञान का सफलतापूर्वक मानचित्रण किया है। शनिवार को यह जानकारी दी गई।

आईआईटी मुंबई ने एक बयान में कहा कि यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के यू. आर. राव सैटेलाइट सेंटर (यूआरएससी) द्वारा 'इंटर-आईआईटी टेक मीट' के दौरान दी गई चुनौती का हिस्सा था। चंद्रमा की रक्षा के लिए कोई वायुमंडल नहीं है और यह लगातार सूर्य से आने वाली किरणों से प्रभावित होता रहता है। जब ये किरणें चंद्रमा की सतह से टकराती हैं, तो वहां मौजूद तत्व अपना अनूठा प्रकाश उत्सर्जित करते हैं। इससे वैज्ञानिकों को यह पता लगाने में मदद मिलती है कि चंद्रमा किस चीज से बना है। आईआईटी की विजेता टीम के प्रमुख छात्र रवि कुमार ने कहा, इसरो के प्रमुख चंद्रयान मिशन की जानकारी के साथ काम करना एक साथ रोमांचक अनुभव था। हर कदम पर ऐसा लग रहा था जैसे हम किसी अभूतपूर्व चीज में योगदान दे रहे हैं। यह एक ऐसा अनुभव था जिसने हमें भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण विरासत से सीधे तौर पर जोड़ दिया।।

केंद्र सरकार को एक भी राशन कार्ड रद्द नहीं करने देंगे : भगवंत मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार राज्य में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत आठ लाख से अधिक राशन कार्ड धारकों के नाम हटाना चाहती है, लेकिन उनकी सरकार ऐसा नहीं होने देगी।

मुख्यमंत्री ने एनएफएसए के तहत लाभार्थियों के नाम हटाने के सुझाव के लिए केंद्र द्वारा अपनाए गए मानदंडों पर भी सवाल उठाया।

यहां संवाददाताओं से बातचीत में मान ने कहा कि उनकी सरकार को हाल ही में केंद्र से एक रिपोर्ट मिली है जिसमें कहा गया है कि पंजाब में 8,02,493 राशन कार्ड धारकों के नाम हटाए जाने चाहिए क्योंकि वे अब इसके लिए पात्र नहीं हैं।

मान ने कहा कि अगर हम प्रति परिवार चार सदस्यों पर विचार करें तो इसका राज्य में कम से कम 32 लाख लोगों पर प्रभाव पड़ेगा।

लाभार्थियों के राशन कार्ड रद्द करने के लिए अपनाए गए मानदंडों पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र के अनुसार, जिन लाभार्थियों के पास चार पहिया वाहन है या जिनके पास 2.50 एकड़ से अधिक जमीन है, उन्हें सूची से बाहर रखा जाएगा।

मान ने पूछा कि अगर किसी राशन कार्ड धारक को सरकारी नौकरी मिल जाए और वह अपने गांव से शहर चला जाए तो क्या उसके परिवार के बाकी सदस्यों को राशन नहीं मिलेगा? उन्होंने कहा, अगर राशन कार्ड धारक के पास कार है, लेकिन उसके भाई के पास कार नहीं है, तो परिवार के बाकी सदस्यों का क्या दोष है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि उनकी सरकार केंद्र को एक भी राशन कार्ड रद्द नहीं करने देगी। उन्होंने कहा कि पंजाब में एनएफएसए के तहत कुल 1.53 करोड़ लाभार्थी हैं और उन्हें गेहूं दिया जाता है।

मान ने कहा, केंद्र सरकार का कहना है कि उनमें से कई (लाभार्थी) फर्जी हैं।

मान ने कहा कि उन्होंने केंद्र को पत्र लिखकर लाभार्थियों के सत्यापन के लिए छह महीने का समय मांगा है।

एनएफएसए के तहत प्रत्येक लाभार्थी को दो रुपए प्रति किलोग्राम की दर से पांच किलोग्राम गेहूं प्रति माह मिलता है।

संविधान संशोधन विधेयक के विरोध पर मेघवाल ने पूछा,

क्या विपक्ष भ्रष्टाचार के पक्ष में है?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को 130वें संविधान संशोधन विधेयक को 'प्रगतिशील कानून' बताया और पूछा कि विधेयक को लेकर विरोध जता रहा विपक्ष क्या भ्रष्टाचार के पक्ष में है?

मेघवाल ने देश के सबसे स्वच्छ शहर में 'अपने इंदौर के लिए एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने इसके बाद 130वें संविधान संशोधन विधेयक पर संवाददाताओं से कहा, मेरे ख्याल में यह बहुत शानदार और प्रगतिशील कानून है। विपक्ष को इस कानून का समर्थन करना चाहिए, लेकिन विपक्ष ने इसका विरोध किया। क्या विपक्ष भ्रष्टाचार के पक्ष में है?'' विपक्ष द्वारा इस प्रस्तावित कानून के दुरुपयोग की आशंका जताए जाने पर केंद्रीय कानून मंत्री ने कहा कि विपक्ष पूरा विधेयक पढ़ता नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा,''हमने देखा है कि दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जेल जाने के बावजूद अपना पद नहीं छोड़ा था।

मेघवाल ने यह भी कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने देश का मान-सम्मान बढ़ाया और इस अभियान को लेकर संसद के मॉनसून सत्र में शानदार चर्चा हुई। उन्होंने इंदौर में पौधारोपण अभियान में शामिल होने के दौरान सिंदूर का पेड़ लगाया। केंद्रीय कानून मंत्री ने इस मौके पर एक सभा में कहा,''पेड़ धरती मां का शृंगार हैं। धरती को हरा-भरा रखने के लिए हमें एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाने का संकल्प लेना चाहिए।

भारत-थाईलैंड संयुक्त सैन्य अभ्यास एक-14 सितंबर तक आयोजित होगा

नई दिल्ली/भाषा। भारत और थाईलैंड की सेनाओं के बीच संयुक्त अभ्यास का 14वां संस्करण एक से 14 सितंबर तक मेघालय के उमरोई में आयोजित होगा। यह जानकारी भारतीय सेना ने शनिवार को दी।

उसने कहा कि अभ्यास मैत्री का उद्देश्य अर्ध-शहरी इलाकों में संयुक्त कंपनी-स्तरीय आतंकवाद-रोधी अभियानों को अंजाम देने में दोनों सेनाओं की परिचालन क्षमताओं को और अधिक बढ़ाना है। सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में, आगामी अभ्यास मैत्री 2025 के बारे में एक वीडियो भी साझा किया।

उसने कहा, भारत और थाईलैंड के बीच संयुक्त द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास मैत्री का 14वां संस्करण एक-14 सितंबर 2025 तक विदेशी प्रशिक्षण नोड, उमरोई में आयोजित किया जाएगा।

सेना ने अपने पोस्ट में कहा कि यह अभ्यास संयुक्त राष्ट्र के आदेश के तहत अर्ध-शहरी इलाकों में संयुक्त कंपनी-स्तरीय आतंकवाद-रोधी अभियानों को अंजाम देने में दोनों सेनाओं की परिचालन क्षमताओं को और तेज करने के लिए तैयार किया गया है।

केंद्र सरकार खनिज कारोबार के लिए एक्सचेंज बनाएगी: किशन रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार लंदन मेटल एक्सचेंज की तर्ज पर खनिज कारोबार एक्सचेंज बनाएगी।

उन्होंने यहां संवाददाताओं को बताया कि खनिज एक्सचेंज सेबी के मानदंडों के अनुसार स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा, लंदन मेटल एक्सचेंज की तरह, हम भारत में भी एक खनिज एक्सचेंज बनाने जा रहे हैं। प्रस्तावित खनिज एक्सचेंज से उद्योगों, व्यापारियों और अन्य हितधारकों के लिए बेहतर मूल्य तय करने में मदद मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि खनिज एक्सचेंज को हाल ही में पारित कानून का हिस्सा बनाया गया है और संबंधित दिशानिर्देश जल्द ही जारी किए जाएंगे। यह पूछने पर कि क्या अमेरिकी शुल्क का घरेलू कोयला उद्योग पर कोई प्रभाव पड़ेगा, उन्होंने कहा कि इसका ज्यादा असर नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि देश अमेरिका को एल्युमीनियम का बहुत कम निर्यात करता है। रेड्डी ने कहा कि सरकार ने कोयले के आयात में भारी कमी की है, जिससे 60,000 करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा बची। देश के इस्पात विनिर्माताओं ने अच्छी गुणवत्ता वाले आयातित कोयले का उपयोग करने के लिए बॉयलर बनाए हैं, लेकिन सरकार उनसे अनुरोध कर रही है कि वे बॉयलरों को भारतीय कोयले के उपयोग के अनुसार तैयार करें, जिससे आयात पर निर्भरता कम होगी।

हैदराबाद में 'मारवाड़ी वापस जाओ' नारे के साथ विरोध प्रदर्शन करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद पुलिस ने 'मारवाड़ी वापस जाओ' के नारे के साथ विरोध प्रदर्शन करने वाले कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने के आरोप में 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार ये आरोपी शुक्रवार को बंद का आह्वान करने और विरोध प्रदर्शन करने में कथित तौर पर शामिल थे। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि हाल ही में सिकंदराबाद में कुछ मारवाड़ी व्यक्तियों ने एक व्यक्ति की कथित तौर पर पिटाई कर दी थी, जिसके बाद 'मारवाड़ी वापस जाओ' के नारे के साथ विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ था।

इस मामले में सोशल मीडिया पर सक्रिय श्याम पी. को यहां सुरराम पुलिस ने एहतियातन हिरासत में लिया और बाद में शुक्रवार को रिहा कर दिया।

पुलिस ने कहा कि कानून-व्यवस्था की समस्या को रोकने के उपायों के तहत उसे हिरासत में लिया गया था।

जम्मू में पुलिस ने फर्जी शादी गिरोह का भंडाफोड़ किया, दुल्हन समेत पांच लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। फर्जी शादी रचाकर पुरुषों से धन ऐंठने के आरोप में उत्तर प्रदेश की एक महिला समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अब तक ऐसे पांच मामले प्रकाश में आए हैं, जिसमें से तीन अखनूर से और दो नगरोटा से हैं। फर्जी शादी के बारे में शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने 11 अगस्त को अखनूर थाने में प्राथमिकी दर्ज की थी और गिरफ्तार किए गए लोगों में दो स्थानीय तथा दो बाहरी लोग शामिल हैं। प्रवक्ता ने बताया कि डोरी डागर निवासी शिकायतकर्ता रशपाल चंद से धना छापरी निवासी दीपक कुमार ने बाहरी राज्य से शादी का प्रस्ताव लेकर संपर्क किया और इसके लिए तीन लाख रुपए की मांग की थी। उन्होंने बताया कि शादी होने के दो दिन बाद ही दुल्हन अपने साथियों के साथ फरार हो गई। उन्होंने कहा कि यह गिरोह 'मैरिज ब्यूरो' की आड़ में धोखाधड़ी का धंधा करता था। प्रवक्ता ने बताया कि यह गिरोह शादी के लिए दुल्हन, पुजारी और संबंधित औपचारिकताओं सहित हर सामान का प्रबंधन करता था तथा शादी के तुरंत बाद दुल्हन किसी न किसी बहाने से दूल्हे को छोड़कर भाग जाती थी। उन्होंने कहा कि सामाजिक कलंक के कारण कई पीड़ित ऐसी घटनाओं की शिकायत करने से बचते हैं।

भारत, ऑस्ट्रेलिया ने व्यापक व्यापार समझौते के लिए वार्ता का एक और दौर पूरा किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता का एक और दौर पूरा किया। दोनों देशों ने दिसंबर 2022 में अंतरिम व्यापार समझौते को लागू किया है और अब इसके दायरे को व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते में विस्तारित करने को बात कर रहे हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते की 11वें दौर की वार्ता 18-23 अगस्त तक आयोजित की गई, जिससे द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक साझेदारी को मज़बूत करने के साझा उद्देश्य को आगे बढ़ाया गया।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी से जुड़े स्कूलों को नियंत्रण में लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। अधिकारियों ने पुलिस के दलों के साथ प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) से संबद्ध 215 स्कूलों का शनिवार को दौरा किया। सरकार द्वारा कश्मीर के 10 जिलों में स्थित इन स्कूलों का प्रबंधन अपने नियंत्रण में लिए जाने के बाद उन्होंने यह कदम उठाया।

अधिकारियों के अनुसार, पूरी प्रक्रिया छात्रों की पढ़ाई में बाधा डाले बिना शांतिपूर्ण एवं सुचारू रूप से संपन्न हुई। स्कूल शिक्षा विभाग ने जेईआई और उसके फलाह-ए-आम ट्रस्ट से जुड़े 215 स्कूलों को अपने नियंत्रण में लेने का शुक्रवार को आदेश दिया था। इन स्कूलों में 51,000 से अधिक छात्र नामांकित हैं। अधिकारियों ने बताया कि जिला प्रशासन के अधिकारी, संबंधित उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य पुलिस टीम के साथ इन स्कूलों में पहुंचे। प्रशासनिक टीम ने स्कूलों का कार्यभार संभाला, उनके दस्तावेज और बुनियादी ढांचे की जांच की। साथ ही कर्मचारियों से बातचीत भी की। जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दल पीडीपी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस और अपनी पार्टी ने सरकार के इस फैसले की निंदा की और इसे प्रशासनिक अतिक्रमण करार दिया। प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी के पूर्व सदस्यों द्वारा गठित न्याय एवं विकास मोर्चा (जम्मू-कश्मीर) ने सरकार के इस कदम की निंदा करते हुए कहा कि यह नेशनल कॉन्फ्रेंस के विश्वासघात के इतिहास'' की ''दर्दनाक याद'' दिलाता है।

सीबीआई ने बैंक धोखाधड़ी के संबंध में अनिल अंबानी, आरकॉम के खिलाफ मामला दर्ज कर छापेमारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/मुंबई/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भारतीय स्टेट बैंक से 2929.05 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी के संबंध में हाल में मामला दर्ज करने के बाद शनिवार को रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड के निदेशक अनिल अंबानी के मुंबई स्थित आवास की तलाशी ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीबीआई ने एक बयान में कहा कि एजेंसी की टीम ने मुंबई में दो जगहों-रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड (आरकॉम) के आधिकारिक परिसर और अनिल अंबानी के आवासीय परिसर पर तलाशी ली।

सीबीआई ने बृहस्पतिवार को भारतीय स्टेट बैंक की शिकायत के आधार पर आरकॉम मुंबई, इसके निदेशक अनिल अंबानी, अज्ञात लोक सेवकों और अज्ञात अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। सूत्रों ने बताया यह छापेमारी मुंबई के कफ परेड स्थित अंबानी के आवास 'सी विंड' पर हुई। शिकायत के अनुसार, कंपनी पर विभिन्न ऋणदाताओं का 40,000 करोड़ रुपए से अधिक बकाया था, जिसमें अकेले एसबीआई को 2018 के आंकड़ों के अनुसार 2929.05 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। सीबीआई ने बताया कि अंबानी और आरकॉम पर कथित तौर पर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। सीबीआई की प्रवक्ता ने कहा, आरोप है कि आरोपियों ने आपराधिक साजिश के तहत गलत जानकारी दी और आरकॉम के पक्ष में एसबीआई से ऋण सुविधाएं स्वीकृत करवाईं। यह भी आरोप है कि ऋण की राशि का दुरुपयोग किया गया और इसमें हेरफेर की गई। एसबीआई की शिकायत के अनुसार, रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम), आरकॉम की सहायक कंपनी रिलायंस इंफ्राटेल लिमिटेड और रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड ने बैंकों से कुल मिलाकर 31,580 करोड़ रुपए प्राप्त किए। वर्ष 2020 में किए गए फॉरेंसिक ऑडिट में बैंकों से प्राप्त धन के इस्तेमाल का पता लगाया गया, जिससे आरकॉम द्वारा प्राप्त और इस्तेमाल धन में हेराफेरी का पता चला। इसमें आरोप लगाया गया है कि उपयोग मंजूरी की शर्तों के अनुसार नहीं था। यह आरोप लगाया गया है कि 13667.73 करोड़ रुपए (44%) का उपयोग बैंकों और एफआईआई को ऋण और अन्य दायित्वों के पुनर्भुगतान के लिए किया गया, और 12692.31 करोड़ रुपए (41%) का उपयोग संबंधित पक्षों को भुगतान करने के लिए किया गया। ऑडिट में अनियमित लेनदेन का ब्योरा देते हुए रेखांकित किया गया है कि बैंकों से ऋण के माध्यम से प्राप्त 6265.85 करोड़ रुपए का उपयोग अन्य बैंक ऋणों के भुगतान के लिए किया गया, 5501.56 करोड़ रुपए के ऋण का उपयोग संबंधित और जुड़े पक्षों को भुगतान करने के लिए किया और विभिन्न बैंकों से प्राप्त ऋणों से 1883.08 करोड़ रुपए का निवेश किया गया।

द्रमुक ने अमित शाह पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय मंत्री अमित शाह द्वारा संविधान संशोधन विधेयक सहित कई मुद्दों पर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और उसके अध्यक्ष एम. के. स्टालिन की आलोचना किए जाने के बाद, तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी ने पलटवार करते हुए एक बार फिर अपना रुख दोहराया है कि यह एक ''काला'' विधेयक है।

द्रमुक के उप महासचिव एवं लोकसभा सदस्य ए. राजा ने केंद्रीय गृह मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि अमित शाह ने तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए तिरुक्कुरल का जिक्र किया, लेकिन इससे भाजपा को वोट नहीं मिलेंगे।

शाह ने पार्टी की एक बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन पर निशाना साधा और कहा कि स्टालिन को 130वें संविधान संशोधन विधेयक को ''काला विधेयक'' कहने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि उन्होंने स्वयं ''काले कारनामे'' किए हैं। इस विधेयक में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार किए जाने और लगातार 30 दिन तक हिरासत में रहने पर पद से हटाए जाने का प्रावधान है जिसका विपक्ष कड़ा विरोध कर रहा है।

शुक्रवार को द्रमुक द्वारा जारी एक बयान में ए. राजा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्रीय कैबिनेट में 28 मंत्रियों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और 39 प्रतिशत कैबिनेट सदस्यों की ''आपराधिक पृष्ठभूमि'' है। राजा ने सवाल किया, ''क्या यह कानून उन पर भी लागू होगा? क्या आप ऐसे कानून को ''काला कानून' नहीं कहेंगे, जिसे केवल उन लोगों को सत्ता से हटाने के लिए लाया गया है जिन्हें वे (भाजपा) पसंद नहीं करते? अगर यह एक अच्छा विधेयक है, तो यह केवल भाजपा पर ही क्यों लागू नहीं होता?''

राजा ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को डराने के लिए यह विधेयक लेकर आई है, और जब स्टालिन ने इस तानाशाही और ''काले कानून'' के खिलाफ आवाज उठाई, तो इससे अमित शाह घबरा गए और ''झूठ का पुलिंदा'' पेश करने पर मजबूर हो गए। उन्होंने द्रमुक सरकार को देश की सबसे भ्रष्ट सरकार बताने के लिए भी शाह की आलोचना की और कहा कि उन्होंने 2016 और 2018 में अन्नाद्रमुक सरकारों के खिलाफ भी ऐसी ही टिप्पणियां की थीं।

द्रमुक नेता ने पूछा, ''लेकिन अब भाजपा ने ई. के. पलानीस्वामी के नेतृत्व वाली अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन क्यों किया है?''

तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई, तिरुवल्लूर, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम और तिरुवन्नामलाई जिलों सहित तमिलनाडु के कई हिस्सों में रात भर मध्यम से भारी वर्षा हुई। पुलिस ने बताया कि शनिवार तड़के शहर में जमीन पर गिरे बिजली के तार पर एक सफाई कर्मचारी के अनजाने में पैर रख देने से करंट लग जाने के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि वरलक्ष्मी नाम की सफाई कर्मचारी सुबह-सुबह सफाई करते समय कन्नगी नगर क्षेत्र में जमा पानी

चेन्नई में सफाई कर्मचारी की करंट लगने से मौत

से होकर गुजर रही थी, जहां उसका पैर पहले से ही गिरे बिजली के तार पर पड़ गया और करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसके परिवार को तत्काल 20 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया।

रात हुई बारिश के कारण चेन्नई के कई इलाकों में पानी भर गया और नुंगमबक्कम स्थित लॉयोला कॉलेज के पास एक बड़ा पेड़ उखड़ गया। सूचना मिलते ही यातायात पुलिसकर्मी और ग्रेटर चेन्नई नगर निगम के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और पेड़ को हटाकर यातायात बहाल किया। यातायात पुलिस के एक अधिकारी ने दावा किया कि शहर के सभी भूमिगत पारपथ से पानी निकाल दिया गया है और लोगों से सुरक्षित तरीके से यात्रा करने की अपील की गई है। मौसम विभाग ने चेन्नई, तिरुवल्लूर, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम, तिरुवन्नामलाई, विल्लुपुरम और नागपट्टिनम जिलों में मध्यम से तेज आंधी-तूफान की आशंका जताई है। चेन्नई, उसके उपनगरीय क्षेत्रों और अन्य भागों में शनिवार को लगातार दूसरे दिन तेज बारिश हुई।

इस बीच, आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के निर्देशानुसार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मा. सुब्रमण्यन ने राज्य बिजली बोर्ड और अर्बसेर सुमित कंपनी की तरफ से मृत सफाई कर्मचारी के परिवार को 20 लाख रुपये का चेक प्रदान किया। सफाई कर्मचारी अर्बसेर सुमित कंपनी में कार्यरत थी।

इस अवसर पर शोलिंगनल्लूर के विधायक एस. अरविंद रमेश और अर्बसेर सुमित कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहम्मद सैयद भी उपस्थित थे। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए सुब्रमण्यन ने बताया कि घटना के समय पीड़िता काम पर जा रही थी। उन्होंने बताया, उसके परिवार में पति जी. रवि और दो बच्चे हैं। उनकी एक लड़की सातवीं कक्षा में पढ़ रही है और एक लड़का निजी स्कूल में चौथी कक्षा में पढ़ता है। वरिष्ठ पार्टी नेता ने आश्वासन दिया कि द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) उनके दोनों बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाएगी। इन बच्चों के पिता स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके स्वस्थ्य हो जाने के बाद अर्बसेर समिट कंपनी ने उन्हें उपयुक्त नौकरी देने का आश्वासन दिया है।

दक्षिण कोरियाई कंपनी तमिलनाडु में फुटवियर संयंत्र स्थापित करेगी : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण कोरिया के ह्वासेंग फुटवियर ग्रुप ने तमिलनाडु में 1,720 करोड़ रुपये का निवेश करके गैर-चमड़े के जूते-चप्पल बनाने की फैक्ट्री लगाने का फैसला किया है। यह भारत में समूह की पहली ऐसी फैक्ट्री होगी। उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने बताया कि यह फैक्ट्री तूतीकोरिन में बनेगी, जिससे इस क्षेत्र में 20,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। राजा ने बताया कि मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने ह्वासेंग फुटवियर ग्रुप के अधिकारियों से मुलाकात की। राजा ने सोशल मीडिया पर बताया कि यह निवेश तमिलनाडु में सबसे बड़े रोजगार पैदा करने वाले फुटवियर क्षेत्र की परियोजनाओं में से एक होगा। उन्होंने कहा कि अन्य कंपनियों के साथ हुए निवेश समझौतों से भी जल्दी ही नई नौकरियां तैयार होंगी।

स्टालिन, विजयन ने भाकपा नेता सुधाकर रेड्डी के निधन पर शोक जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/तिरुवनंतपुरम। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने शनिवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के पूर्व महासचिव सुरवरम सुधाकर रेड्डी के निधन पर शोक जताया। लोकसभा के पूर्व सदस्य रेड्डी का 22 अगस्त को हैदराबाद में उम्र संबंधी बीमारी के कारण निधन हो गया था। वह 83 साल के थे।

स्टालिन ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि रेड्डी का जीवन न्याय और सम्मान की लड़ाई को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भाकपा के पूर्व महासचिव कॉमरेड सुरवरम सुधाकर रेड्डी के निधन से गहरा दुख हुआ है। एक छात्र नेता के रूप में अपने शुरुआती दिनों से लेकर संसद में अपनी सेवा और बाद में भाकपा के राष्ट्रीय नेता के रूप में, थिरु सुधाकर रेड्डी ने अपना जीवन श्रमिकों, किसानों और हाशिये पर खड़े लोगों के लिए संघर्ष के वास्ते समर्पित कर दिया।

स्टालिन ने कहा, मैंने तमिलनाडु की उनकी (रेड्डी की) यात्राओं के दौरान उनकी गर्मजोशी और विचारों में स्पष्टता देखी थी। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार, सहयोगियों और साथियों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

वहीं, विजयन ने अपने शोक संदेश में कहा कि रेड्डी ने एक सांसद के रूप में उत्कृष्ट काम किया। उन्होंने कहा, संसद में श्रमिकों और आम लोगों की आवाज उठाने के उनके प्रयास उल्लेखनीय थे। विजयन ने कहा कि सुधाकर रेड्डी एक सौम्य और व्यापक रूप से सम्मानित वामपंथी नेता थे।

हमें ममकूटाथिल को लेकर कोई शिकायत नहीं मिली: कांग्रेस

त्रिशूर/भाषा। मलयालम फिल्मों की एक अभिनेत्री द्वारा दुर्व्यवहार के आरोप लगाए जाने के बाद केरल युवा कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने वाले कांग्रेस विधायक राहुल ममकूटाथिल के खिलाफ पार्टी को कोई शिकायत नहीं मिली है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की महासचिव एवं केरल प्रभारी दीपा दासमुंशी ने शनिवार को यह जानकारी दी। दासमुंशी का यह बयान मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा पलक्कड़ के विधायक ममकूटाथिल के इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच आया है। एक अभिनेत्री के खुलासे के बाद कई अन्य महिलाओं ने भी ममकूटाथिल पर कथित आरोप लगाए थे, जिसके बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

त्रिशूर में दासमुंशी ने संवाददाताओं से कहा, यह मामला अब खत्म हो चुका है। उन्होंने युवा कांग्रेस के पद से इस्तीफा दे दिया है। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहती हूं कि ममकूटाथिल के खिलाफ किसी भी व्यक्ति, महिला या परिवार की ओर से कोई औपचारिक शिकायत पार्टी को नहीं मिली है। हमें केवल मीडिया की खबरों से यह जानकारी मिली कि कुछ लोगों ने शिकायत की है। उन्होंने कहा कि ''पलक्कड़ के विधायक ममकूटाथिल ने अपना पक्ष साफ किया है और स्वयं पार्टी पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पूछा, जब हमें कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है, तो हम किस आधार पर कार्रवाई करें?'' दासमुंशी ने इस बात पर जोर दिया कि यह मामला कानूनी नहीं, बल्कि नैतिक है। उन्होंने कहा, ''यह निर्णय राहुल गांधी द्वारा नैतिक आधार पर लिया गया है। कांग्रेस हमेशा नैतिक मूल्यों पर कायम रही है।'' उन्होंने अन्य राजनीतिक दलों से भी इसी प्रकार की नैतिकता दिखाने की अपील की। उन्होंने कहा, ''अन्य दलों में भी ऐसे नेता हैं, जिन पर इसी तरह के आरोप लगे हैं। लेकिन वे अब भी विधायक बने हुए हैं। मैं उनसे कहना चाहूंगी कि वे पहले अपने गिरेबान में झांकें।'' उन्होंने स्पष्ट किया कि ममकूटाथिल को हटाया नहीं गया, बल्कि उन्होंने स्वेच्छा से इस्तीफा दिया है। मलयालम अभिनेत्री रीनी ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा था कि एक युवा नेता ने उन्हें आपत्तिजनक संदेश भेजे थे और एक होटल में बुलाने की कोशिश की थी। इसी आरोप के चलते ममकूटाथिल पार्टी की आंतरिक जांच का सामना कर रहे थे और उन्होंने बृहस्पतिवार को युवा कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की घोषणा की थी।

स्टालिन का उदयनिधि को सीएम, सोनिया का राहुल को पीएम बनाने का सपना साकार नहीं होगा: डॉ. मुरुगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुनेलवेली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन ने कहा कि भ्रष्टाचार मामलों में फंसे द्रमुक नेता पोनमुडी और सेंथिल बालाजी जेल में रहते हुए भी मंत्री पद का दुरुपयोग करते रहे।

उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर कहा, 'तिरुनेलवेली में आयोजित मंडल बूथ समिति सम्मेलन में अपने भाषण में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 130वें संविधान संशोधन विधेयक को लेकर भ्रष्टाचार में डूबी द्रमुक के डर को उजागर किया।' डॉ. मुरुगन ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के मामले में फंसे द्रमुक के पोनमुडी और सेंथिल बालाजी ने जेल में रहते हुए भी अपने मंत्री पद से सत्ता का दुरुपयोग किया था। डॉ. मुरुगन ने कहा कि अगर 130वां संविधान

संशोधन विधेयक कानून बन जाता है तो भ्रष्ट द्रमुक सदस्य न केवल जेल में होंगे, बल्कि अपने मंत्री पद पर भी नहीं रह पाएंगे। इसीलिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन इसे काला कानून कहते हैं। डॉ. मुरुगन ने कहा कि इस बात को भी अमित शाह ने स्पष्ट रूप से सबके सामने रखा है। द्रमुक सरकार के भ्रष्टाचार की पोल खोलते हुए, उन्होंने तास्माक, परिवहन, खनिज संपदा जैसे अनेक विभागों में चल रहे घोटालों की सूची जनता के सामने रखी है। डॉ. मुरुगन ने कहा कि एमके स्टालिन का उदयनिधि को मुख्यमंत्री बनाने का सपना और सोनिया गांधी का राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने का सपना साकार नहीं होगा। अमित शाह ने भी गंभीरता से कहा है कि भाजपा-अन्नाद्रमुक गठबंधन आगामी विस चुनाव में जरूर जीतेगा और सरकार बनाएगा। सभी भाजपा कार्यकर्ता इसके लिए जी-जान से जुट जाएं।

केरल के मुख्यमंत्री ने राज्य में अदाणी लॉजिस्टिक पार्क की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शनिवार को कलामस्सेरी में अदाणी समूह के लॉजिस्टिक पार्क की आधारशिला रखी। यह परियोजना राज्य सरकार के 'इन्वेस्ट केरल ग्लोबल समिट' का हिस्सा है और इसे 70 एकड़ में 600 करोड़ रुपये से अधिक के शुरुआती निवेश से विकसित किया जाएगा।

यह पार्क 13 लाख वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में फैला है और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने के लिए एकीकृत लॉजिस्टिक सुविधाओं, नई तकनीकों और प्रणालियों की पेशकश करेगा। मुख्यमंत्री विजयन ने इस परियोजना को केरल के औद्योगिक इतिहास में एक नया कदम बताया। उद्योग मंत्री पी राजीव ने समारोह की अध्यक्षता की। विजयन ने कहा कि अदाणी लॉजिस्टिक पार्क जैसी बड़ी परियोजनाएं राज्य को राष्ट्रीय और वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर एक मजबूत स्थान के रूप में स्थापित होने में मदद करेंगी। पार्क से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर तैयार होंगे। साथ ही इस तरह की परियोजनाएं केरल में और अधिक उद्यमियों को आकर्षित करेंगी। सरकार ने जिले के विकास के लिए कोच्चि मेट्रो, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, वाटर मेट्रो और इन्फोपार्क सहित कई पहलों को पहले ही लागू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापार करने में आसानी के मामले में केरल अब देश में पहले स्थान पर है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने सभी राज्यों से केंद्र-राज्य संबंध पर समिति बनाने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को देश के सभी राज्यों से अपील की कि वे संघ-राज्य संबंधों पर तमिलनाडु सरकार द्वारा गठित समिति की तरह एक समिति बनाएं और राज्य की स्वायत्तता के नारे को आगे बढ़ाएं। स्टालिन ने कहा कि राज्यों के लिए स्वायत्तता और केंद्र में संघवाद के सिद्धांतों को प्रतिबिंबित करने के लिए संविधान में संशोधन करने के सभी प्रयास किए जाएंगे।

तमिलनाडु सरकार के तत्वावधान में संघ-राज्य संबंधों पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह तमिलनाडु को उसके कर योगदान के अनुपात में उचित धनराशि नहीं दे रहा है एवं संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्य' के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु ने प्रत्यक्ष करों और जीएसटी के माध्यम से केंद्र को सबसे अधिक राजस्व का योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि द्रमुक सरकार कई चुनौतियों के बावजूद राज्य का विकास कर रही है। स्टालिन ने जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश घोषित करने को लेकर अपना विरोध दोहराते हुए कहा कि यह एकतरफा, संविधान का उल्लंघन करने वाला और लोकतंत्र विरोधी था। उन्होंने तमिलनाडु सरकार द्वारा केंद्र-राज्य संबंधों पर एक उच्च-स्तरीय समिति गठित करने का भी उल्लेख किया। उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश, न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ की अध्यक्षता वाली इस समिति को राज्यों के अधिकारों को छीनने से रोकने और कश्मीर जैसी घटनाओं (केंद्र शासित प्रदेश बनाकर दर्जा घटाना) की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए संवैधानिक संशोधनों का सुझाव देने सहित उचित सिफारिशें करने का दायित्व सौंपा गया है।

मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के कार्यों का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह गैर-भाजपा सरकारों को परेशान करने के लिए कई कानूनी और प्रशासनिक हस्तक्षेप के माध्यम से अनेक बाधाएं उत्पन्न कर रही है। स्टालिन ने विश्वास व्यक्त किया कि समिति की सिफारिशों से राज्यों को उनके अधिकार मिलेंगे और एक नए, मजबूत भारत का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने देश के सभी राज्यों से आग्रह किया कि वे तमिलनाडु सरकार द्वारा गठित समिति की तरह समिति बनाएं और राज्य स्वायत्तता' के नारे को आगे बढ़ाएं।

भाजपा ने वैश्विक अयप्पा संगमम में स्टालिन को आमंत्रित करने के लिए केरल सरकार की आलोचना की

त्रिशूर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अगले महीने होने वाले वैश्विक अयप्पा संगमम में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को आमंत्रित करने के लिए केरल सरकार की आलोचना की है। भाजपा ने कहा कि ''केरल सरकार का यह कदम हिटलर द्वारा यहूदियों का सम्मान करने जैसा है।'' भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद सबरीमला में भगवान अयप्पा मंदिर में मासिक धर्म की आयु वर्ग वाली महिलाओं को प्रवेश की अनुमति देने के वामपंथी सरकार के 2018 के फैसले का उल्लेख किया।

चंद्रशेखर ने स्टालिन के बेटे और तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन का सनातन धर्म के खिलाफ बयान का उल्लेख करते हुए केरल में मुख्यमंत्री पिनारायी विजयन के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, पिनारायी विजयन द्वारा सबरीमला परंपराओं और भक्तों का अपमान करने तथा कई लोगों को जेल में डालने के बाद, और कॉमरेड एम के स्टालिन और उनके पुत्र उदयनिधि स्टालिन द्वारा हिंदुओं और हिंदू धर्म का अपमान करने के बाद, अब वे चुनाव के मद्देनजर भगवान अयप्पा को गले लगाना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये सभी कदम वोट बैंक'' को खुश करने के उद्देश्य से उठाए गए हैं। चंद्रशेखर ने कहा, कांग्रेस, माकपा और द्रमुक जैसी इंडिया' गठबंधन की पार्टियों का सबरीमला कार्यक्रम में जाना उतना ही अवास्तविक है जितना कि हिटलर का यहूदियों का सम्मान करना।

जब तक एसआईटी जांच पूरी नहीं कर लेती, तब तक कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता : परमेश्वर

उडुप्पी। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने राज्य के धर्मस्थल कस्बे में पिछले दो दशकों के दौरान कई लोगों की हत्या, दुष्कर्म और शवों को सामूहिक रूप से दफनाए जाने का दावा करने वाले व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद कहा कि जब तक एसआईटी अपनी जांच पूरी नहीं कर लेती, तब तक कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। परमेश्वर ने कहा कि शिकायतकर्ता के बयानों के आधार पर एसआईटी जांच जारी रखेगी।

मंत्री ने शिकायतकर्ता की गिरफ्तारी और उसके कारणों के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा , यह सच है कि उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और वह पुलिस हिरासत में है। चूंकि, जांच जारी है, इसलिए कोई जानकारी साझा नहीं की जा सकती। पुलिस (एसआईटी) जांच कर रही है।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि **आइधाम युग कच्ची** नाम से एक राजनीतिक दल का पंजीकरण प्रस्तावित है। इस दल का **कार्यालय** 4, कृष्णमूर्ति स्ट्रीट, कोठंदरमन नगर, पश्चिम उरापक्कम, चेंगलपट्टू 603211 में स्थित है। इस दल ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के तहत राजनीतिक दल के रूप में पंजीकरण हेतु भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है।

दल के पदाधिकारियों के नाम/पते इस प्रकार हैं:- **अध्यक्ष** : पांडियन, पता: 4, कृष्णमूर्ति स्ट्रीट, कोठंदरमन नगर, पश्चिम उरापक्कम, चेंगलपट्टू 603211। **महासचिव** : महासचिव: सेलाथारसु, पता: 1/36, अन्ना नगर, कल्लालंगुडी, अलंगुडी तालुका, पुदुक्कोट्टई-622301. **कोषाध्यक्ष** : वसंत, पता: वेस्ट स्ट्रीट, नेदुमनूर, शंकरपुरम, विल्लुपुरम 606208. यदि किसी को **आइधाम युग कच्ची** के पंजीकरण पर कोई आपत्ति है, तो वे इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर भारत के चुनाव आयोग के सचिव, निर्वाचन संस्थान अशोक रोड, नई दिल्ली-110001 को कारणों सहित अपनी आपत्ति भेज सकते हैं।

'केरल आयेंगे मेस्सी, नवंबर में खेलेंगे दोस्ताना मैच'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरूवनंतपुरम/भाषा। केरल के खेलमंत्री वी अब्दुरहमान ने शनिवार को पुष्टि की कि फुटबॉल सुपरस्टार लियोनेल मेस्सी समेत अर्जेंटीना की टीम इस साल नवंबर में केरल में दोस्ताना मैच खेलने आयेगी। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि मैनेजर लियोनेल स्कालोनी की अर्जेंटीना टीम अंगोला के लुआंडा और केरल में दोस्ताना मैच खेलेगी। इसके बाद केरल के खेलमंत्री ने पत्रकारों को बताया कि केरल ने एएफए से मैच इस साल अक्टूबर या नवंबर में खेलने का अनुरोध किया था।

उन्होंने कहा, ''पहले एएफए 2026 में ये मैच खेलना चाहता था। हमने उनसे अनुरोध किया कि केरल में मैच इसी साल खेले। अब एएफए ने इसकी पुष्टि कर दी है। हम 2022 विश्व कप विजेता अर्जेंटीना टीम को

यहां लाना चाहते थे।'' अब्दुरहमान ने कहा, ''अर्जेंटीना फुटबॉल टीम को केरल लाने के लिये काफी मेहनत की गई है। हमने बाकी बंदोबस्त पर काम शुरू कर दिया है और जल्दी ही मुख्यमंत्री से इसके ब्यौरे पर बात करेंगे।''

उन्होंने कहा कि प्रदेश के लाखों फुटबॉलप्रेमियों को इस मैच का बेताबी से इंतजार है। उन्होंने कहा, ''हमारा इरादा प्रशंसकों को मेस्सी को केरल में खेलते देखने का मौका देने का है।'' उन्होंने आगे कहा कि केंद्रीय खेल मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक ने इस कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है और सरकार ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। विरोधी टीम के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, ''हम फीफा की शीर्ष 50 में से एक टीम चुनेंगे। कई टीमों ने हमसे संपर्क किया है।आस्ट्रेलियाई फुटबॉल टीम भी आना चाहती है और हमारा उनके साथ खेल आदान प्रदान का करार भी है।तीन चार और टीमों ने भी संपर्क किया है।''

लगातार बारिश से राजस्थान के कई जिलों में जनजीवन प्रभावित, कोटा में सेना की मदद ली गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लगातार मूसलाधार बारिश से राजस्थान के सवाई माधोपुर में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और कई इलाकों में जलभराव/बाढ़ जैसे हालात हैं। वहीं, कोटा में राहत व बचाव कार्य में सेना की मदद ली गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि लगातार हो रही बारिश से कई जगह राजमार्गों पर यातायात बाधित हुआ है और रेल सेवाएं स्थगित कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने टोंक, कोटा, सवाई माधोपुर, बूंदी एवं दौसा जिलाधिकारियों से फोन पर बात कर राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने एनडीआरएफ, एसडीआरफ तथा पुलिस प्रशासन को मुस्तैद रहने और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बारिश के कारण कई हादसों की भी जानकारी मिली है। सबसे भयावह घटना सुरवाल बांध में हुई जहां आठ से दस लोगों को ले जा रही एक नाव तेज बहाव के कारण डूब गई। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद तीन लोगों को बचा लिया, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

पुलिस उपाधीक्षक उदय सिंह ने कहा,'बचाव दल अभियान जारी रखे हुए हैं और लापता लोगों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।' वहीं, एक अन्य हादसे में इंदौर के 20 वर्षीय युवक मोंटी तंवर की मौत हो गई जहां कुशाली दर्रा में राष्ट्रीय राजमार्ग 552 पर उनकी कार पानी के तेज बहाव में बह गई। पुलिस उपाधीक्षक (ग्रामीण) पिंटू कुमार ने कहा, मोंटी अपने परिवार को निवाई में छोड़कर इंदौर जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।

अधिकारियों के अनुसार, अजमेर में बृहस्पतिवार रात एक व्यक्ति बांध में नहाते समय डूब गया। वह अपने दोस्तों के साथ बांध पर अपना जन्मदिन मना रहा था। जयपुर के चाकसू इलाके में मोटरसाइकिल सवार एक दंपति उफनती नदी में बह गया। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों ने पति को बचा लिया लेकिन पत्नी पानी की धार में बह गई।

कोटा में सड़कों पर पानी भर जाने से लोग सड़कों पर तैराकी करते दिखे। भारी बारिश के चलते बूंदी के कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया। बारिश के कारण बारां के स्कूलों में शुक्रवार और शनिवार को छुट्टी घोषित कर दी गई है। झालावाड़, कोटा और बूंदी के स्कूलों में भी शनिवार को छुट्टी घोषित की गई है। अधिकारियों के अनुसार, कोटा जिले में दो दिन से हो रही लगातार बारिश एवं अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन ने त्वरित गति से राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं। जिला प्रशासन की मदद के लिए सेना स्टेशन कोटा से सेना की गांडीव डिवीजन की इन्फेंट्री रेजिमेंट के 80 जवानों की टीम दीगोद तहसील के निमोदा गांव पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

सेना की टीम ने नीमोदा पहुंचते ही जल भराव की स्थिति का जायजा लिया और जहां जल स्तर बढ़ रहा था वहां से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का कार्य शुरू किया। सेना के जवानों ने कई लोगों को निकालकर आश्रय स्थलों तक पहुंचने में मदद की।

जिला कलेक्टर पीयूष समारिया ने कहा कि प्रशासन पूरी तत्परता के साथ हालात पर नज़र रखे हुए है और प्राथमिकता के आधार पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया जा रहा है। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर भी हालात का जायजा लेने के लिए मौजूद थे। भीलवाड़ा के मांडलगढ़ थाना क्षेत्र के गोवटा बांध में रघुनाथपुरा निवासी 12वीं कक्षा का छात्र दीपक (17) डूब गया। वह अपने दोस्तों के साथ घूमने गया था। इसी दौरान वह नहाने के लिए बांध में उतर गया।

अधिकारियों ने बताया कि सवाई माधोपुर शहर के विभिन्न इलाकों में घरों में पानी भर गया है, जिससे लोगों को छतों पर शरण लेनी पड़ रही है। भारी बारिश के कारण रेल यातायात भी बाधित हुआ। सवाई माधोपुर स्टेशन पर पटरियां पानी में डूब गईं, जिससे तीन ट्रेन- गंगानगर-कोटा एक्सप्रेस देवपुरा में, जयपुर-बयाना ट्रेन चौथ का बरवाड़ा में और भगत की कोठी-इंदौर एक्सप्रेस वनस्थली निवाई स्टेशन पर रोक दी गईं। दो अन्य ट्रेन जयपुर-मुंबई सेवा और अजमेर-जबलपुर ट्रेन के समय में परिवर्तन किया गया।

इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार तड़के कोटा बैराज के तीन गेट पानी छोड़ने के लिए खोल दिए गए। उन्होंने बताया कि बढ़ते जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए यह एहतियाती कदम उठाया गया है। एक वन अधिकारी ने कहा कि भारी जलभराव और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण रणथंभौर बाघ अभयारण्य सफारी को भी दिन भर के लिए स्थगित कर दिया गया। बिगड़ते हालात को देखते हुए, जिला प्रशासन ने 12वीं कक्षा तक के सभी स्कूलों में छुट्टी का आदेश दिया है।

मौसम विभाग ने बताया कि शुक्रवार को राज्य में सबसे ज्यादा 254 मिलीमीटर बारिश सवाई माधोपुर में हुई। भीलवाड़ा की बिजोलिया तहसील में 170 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। अधिकारियों ने बताया कि पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में और अधिक बारिश के अनुमान के चलते जिला प्रशासन 'सतर्क' है। मौसम विभाग ने 23 अगस्त के लिए चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा में भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी किया है। विभाग ने नौ-दस जिलों में भारी बारिश होने का 'ऑरेंज अलर्ट' भी जारी किया है।

जयपुर में मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रदेश के विभिन्न ज़िलों में हो रही भारी बारिश की स्थिति पर गम्भीर चिंता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा एवं ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लेने के लिए भेजा है। आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार, मुख्यमंत्री ने टोंक, कोटा, सवाई माधोपुर, बूंदी एवं दौसा जिलों के कलेक्टरों से फोन पर बात कर राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने एनडीआरएफ, एसडीआरफ तथा पुलिस प्रशासन को मुस्तैद रहने और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बरसात के कारण बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का ओम बिरला नहीं कर पाए सर्वेक्षण

जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शनिवार को राजस्थान में कोटा, बूंदी,बारां, टोंक एवं सवाईमाधोपुर जिलों में बने बाढ़ के हालात का बरसात के जारी रहने के कारण हवाई सर्वेक्षण नहीं कर पाएऔर बाद में वह सड़क मार्ग से प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर निकले।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भारी बारिश के कारण इन जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन जाने के बाद श्री बिरला एवं राज्य के कृषि मंत्री डा किरोड़ लाल मीणा एवं गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म शनिवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने वाले थे लेकिन मौसम खराब होने के कारण उनका हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर पाया। इसके बाद श्री बिरला सड़क मार्ग से प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने के लिए केशवरायपाटन के लिए रवाना हुए। मौसम खराब होने के कारण डा मीणा एवं श्री बेढ़म जयपुर से कोटा नहीं पहुंच पाये।

बाद में डा मीणा ने बताया कि आज बूंदी, कोटा, बारां, टोंक एवं सवाईमाधोपुर जिलों के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण का कार्यक्रम निर्धारित था लेकिन भारी वर्षा के कारण हेलीकॉप्टर के पायलट ने सुरक्षा कारणों से उड़ान भरने एवं उतरने में असमर्थता जताने पर वे हवाई सर्वेक्षण नहीं कर पाये। उन्होंने बताया कि लेकिन इसके बाद सवाईमाधोपुर जिले के आसपास बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के दौरे पर निकले हैं।

खाद्य मंडी व्यापारियों की हड़ताल से लोग परेशान : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को कहा कि राज्य में खाद्य पदार्थ मंडियों की हड़ताल से आम जनता परेशान है। उन्होंने सरकार से व्यापारियों से बात कर समाधान निकालने की अपील की। गहलोत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के एक आदेश के अनुसार मंडी और उप-मंडी यार्ड में गैर-अधिसूचित कृषि उपज व खाद्य पदार्थों पर प्रति 100 रुपएके लेनदेन पर 50 पैसे 'यूजर चार्ज' देना होगा। उन्होंने कहा कि रोज काम आने वाले दाल, चावल, आटा, मैदा, सूजी, तिलहन, खाद्य तेल, नमक और सूखे मेवे इसके दायरे में आएंगे, जिससे खाद्य पदार्थों के व्यापारियों एवं ग्राहक दोनों पर ही आर्थिक भार बढ़ेगा।

गहलोत ने 'एक्स' पर कहा, सरकार के इस फैसले के विरोध में प्रदेश की 247 खाद्य पदार्थ मंडियां हड़ताल कर रही हैं। इससे व्यापारियों को घाटा हो रहा है और आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को बिना देरी के इन व्यापारियों से बात कर इस समस्या का समाधान निकालना चाहिए।

राजस्थान उच्च न्यायालय ने सरकारी विद्यालयों में 86,000 जर्जर कक्षों के उपयोग पर रोक लगाई

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने राज्य भर के सरकारी विद्यालयों में 86,000 से अधिक जर्जर कक्षों (क्लासरूम) के उपयोग पर रोक लगा दी। न्यायालय ने निर्देश दिया कि इन कमरों को बंद कर दिया जाए और बच्चों को इनमें प्रवेश न करने दिया जाए। न्यायमूर्ति महेंद्र कुमार गोयल और न्यायमूर्ति अशोक कुमार जैन की पीठ ने जुलाई में झालावाड़ में एक स्कूल की छत गिरने से हुए हादसे के बाद करवाए गए सरकारी सर्वेक्षण के मद्देनजर शुक्रवार को यह आदेश दिया। इस घटना में सात विद्यार्थियों की मौत हो गई थी और आठ बच्चे घायल हो गए थे। अदालत ने राज्य सरकार से उपयुक्त वैकल्पिक व्यवस्था करने को भी कहा ताकि प्रभावित विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित न हो। रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में 63,018 सरकारी स्कूल हैं, जिनमें 5,26,162 कक्ष हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि इनमें से 86,934 कक्ष पूरी तरह से जर्जर पाए गए। सर्वेक्षण के अनुसार, 5,667 स्कूल उपयोग के लिए पूरी तरह से असुरक्षित पाए गएं। वहीं 17,109 शौचालय जर्जर पाए गए जबकि 29,093 को मरम्मत योग्य पाया गया। जैसलमेर में स्कूल का मुख्य द्वार गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई थी और दो अन्य छात्र घायल हो गए थे। अदालत ने अब इंजीनियरों से तकनीकी सत्यापन रिपोर्ट मांगी है और मामले की सुनवाई चार सितंबर के लिए तय कर दी।

मोदी के नेतृत्व में रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने का हो रहा काम : गजेन्द्र सिंह शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शनिवार को जोधपुर पहुंचे। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री ने जोधपुर-दिल्ली वंदे भारत ट्रेन की सौगात मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री का आभार जताया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जोधपुर और दिल्ली के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस की लंबे समय से मांग थी। यह न केवल जोधपुर-दिल्ली बल्कि जोधपुर और जयपुर के बीच बेहतर और तेज कनेक्टिविटी के लिए भी फायदेमंद होगी। प्रधानमंत्री मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को मेरे अनुरोध और जोधपुर निवासियों की आवाज को स्वीकार करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। पीएम मोदी के नेतृत्व में रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने का काम हो रहा है। इसके साथ ही एयरपोर्ट का भी विकास हो रहा है। इस साल के अंत तक इस सौगात को भी जनता को समर्पित कर दिया जाएगा, और एयर कनेक्टिविटी में भी बढ़ोतरी होगी।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रस्तावित दौरे को लेकर कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पश्चिमी राजस्थान की धरती पर रक्षा मंत्री आ रहे हैं। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। रक्षा मंत्री के आगमन पर हम सभी में नई ऊर्जा और स्पंदन का प्रभाव होगा। उन्होंने कहा कि संविधान संशोधन बिल लोकसभा और राज्यसभा में पेश किया गया है। हमारा उद्देश्य है कि इस विषय पर गंभीरता से चर्चा की जाए। गहनता से चर्चा के साथ में ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमिटी (जेपीसी) को भेजा गया है। इसमें 21 सदस्य लोकसभा और 10 सदस्य राज्यसभा के होंगे। ऐसा तय किया गया है कि अगले संसद सत्र के समय में दूसरे सप्ताह से पहले इसकी रिपोर्ट प्रकाशित हो जाए और सदन के पटल पर रखी जाए ताकि इसे अगले सेशन में ही पारित करवाया जा सके। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का उद्देश्य रहा है कि राजनीति, राजनीतिक पार्टी और गवर्नेंस में सुचिता आनी चाहिए। मैं यह मानता हूं कि निश्चित तौर पर इसके चलते हुए राजनीतिक क्षेत्र में भी सुचिता का स्तर और बढ़ेगा। केंद्रीय मंत्री ने 30 दिन से अधिक की न्यायिक हिरासत के बाद प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों की स्वत: बर्खास्तगी के संविधान संशोधन बिल के विपक्ष के विरोध पर कहा कि जिन लोगों को डर है, वे लोग विरोध कर रहे हैं। जिन लोगों ने ऐसे काम किए हैं, उनको चिंता और भय होना स्वाभाविक है। आज इस परिपक्व होते हुए लोकतंत्र में यह आवश्यक है।

महिला शक्ति के उत्थान के लिए राज्य सरकार तत्पर : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार को महिला शक्ति के उत्थान के लिए तत्पर बताते हुए कहा है कि वह बालिका शिक्षा, महिला सुरक्षा, महिला सशक्तीकरण और महिला उत्थान को प्राथमिकता मानते हुए काम कर रही है। शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर बालिकाओं को ई-साइकिल वितरण समारोह के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बेटियों की मुस्कान ही हमारी ताकत है तथा हम प्रदेश की महिला शक्ति के उत्थान के लिए तत्पर हैं।

महिलाओं एवं बेटियों के शिक्षित और सशक्त होने से ही देश और समाज सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि माताएं-बहनें हमारी संस्कृति एवं संस्कारों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाती हैं। मातृशक्ति समाज एवं परिवार में बच्चों के पालन से लेकर बुजुर्गों की सेवा तक विभिन्न भूमिकाओं का बखूबी निर्वहन करती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' का मूलमंत्र देकर लिंगानुपात में सुधार तथा बालिका शिक्षा को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि इसी दिशा में राज्य सरकार का प्रयास है कि कोई भी बेटी शिक्षा से वंचित न रहे। राज्य सरकार द्वारा गार्गी पुरस्कार योजना के तहत 3.90 लाख बालिकाओं एवं बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत लगभग दो लाख बालिकाओं को प्रोत्साहन दिया गया है।

उन्होंने कहा कि लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत गरीब परिवारों को बालिकाओं के जन्म पर एक लाख 50 हजार रुपएका सेविंग बॉन्ड मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक विभिन्न योजनाओं में लगभग 11 लाख से अधिक छात्राओं को साइकिल प्रदान की है।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में महिला सशक्तीकरण की दिशा में मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना संचालित की जा रही हैं। राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में प्रोत्साहन राशि को बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपएकिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पांच साल में चार लाख सरकारी एवं निजी क्षेत्र में छह लाख नौकरियों के संकल्प को पूरा करेगी।

मुख्यमंत्री ने बालिकाओं से संवाद भी किया और इस दौरान छात्रा सीमा यादव ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ई-साइकिल से सपनों को नई उड़ान मिलेगी वहीं छात्रा अभिनीति ने कहा कि ई-साइकिल से आवागमन में होने वाली पैसे की बचत से वह कम्प्यूटर की पढ़ाई कर सकेगी।

इसी तरह, छात्रा विनीता गोठवाल के साइकिल चलाने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने आत्मीयता से कहा कि उनके छात्र जीवन में स्कूल जाने के लिए वे साइकिल का उपयोग करते थे। मुख्यमंत्री ने इस दौरान बालिकाओं एवं कामकाजी महिलाओं को ई-साइकिल वितरित की।

सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए न्यायिक व्यवस्था का सुगम होना आवश्यक : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए न्यायिक व्यवस्था का सुगम और त्वरित होना आवश्यक है।

योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ के 42वें अधिवेशन में न्यायिक अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने न्यायपालिका को सुशासन का रक्षक बताते हुए कहा कि इसके सुदृढ़ीकरण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। योगी ने कहा कि सुशासन का लक्ष्य तभी प्राप्त हो सकता है, जब हमारी न्यायिक व्यवस्था सुगम, त्वरित और सुलभ हो। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए विकसित उत्तर प्रदेश का निर्माण आवश्यक है तथा इसके लिए एक मजबूत और त्वरित न्यायिक व्यवस्था अनिवार्य है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार इस अवसर पर योगी ने उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ की स्मारिका का विमोचन भी किया। इस दौरान उन्होंने न्यायिक सेवा संघ के लिए 50 करोड़ रुपए का 'कॉर्पस फंड' देने की घोषणा की।

योगी ने उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ के 42वें अधिवेशन को 'न्यायिक अधिकारियों का महाकुंभ' बताते हुए कहा कि यह आयोजन न केवल एकता और परस्पर सहयोग का प्रतीक है बल्कि व्यावसायिक दक्षता और बेस्ट प्रैक्टिस को बढ़ावा देने का भी मंच है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी उपस्थित न्यायमूर्तियों, अवकाश प्राप्त न्यायमूर्तियों और प्रदेश भर से आए न्यायिक अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह अधिवेशन ऐसे समय में आयोजित हुआ, जब भारत अपने संविधान के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि संविधान की मूल भावना 'न्याय, स्वतंत्रता और बंधुता' इस आयोजन का आधार है।

योगी ने प्रयागराज के महाकुंभ का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस तरह महाकुंभ आध्यात्मिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है, उसी तरह यह अधिवेशन न्यायिक अधिकारियों की एकता और उनकी पेशेवर दक्षता को प्रदर्शित करता है। मुख्यमंत्री ने गर्व के साथ कहा कि उत्तर प्रदेश में देश का सबसे बड़ा उच्च न्यायालय मौजूद है।

योगी ने कहा, प्रयागराज में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की मुख्य पीठ और लखनऊ में इसकी पीठ प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। यह न केवल हमारे लिए, बल्कि देश और दुनिया के सामने उत्तर प्रदेश की छवि को विश्वास के रूप में प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मथुरा जंक्शन से एक वर्षीय बच्ची का अपहरण, पुलिस तलाश में जुटी

मथुरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर एक युवक ने एक वर्षीय बच्ची का अपहरण कर लिया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, युवक को बच्ची को उठा कर ले जाते हुए देखने के बाद महिला ने शोर मचाया लेकिन जब तक कोई उसे पकड़ता, आरोपी उसी प्लेटफार्म पर झांसी जाने वाली संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन में चढ़कर फरार हो गया। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) थाना प्रभारी यादराम सिंह ने बताया कि यह घटना शुक्रवार रात करीब दस बजे की है। उन्होंने बताया कि उस समय प्लेटफार्म नंबर एक पर झांसी जाने वाली ट्रेन सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस आ रही थी।

अधिकारी ने बताया कि इससे कुछ ही क्षण पहले प्लेटफार्म पर पति आनंद व दो बच्चियों संग सो रही जबलपुर निवासी पूजा शौचालय गई थी और वापस लौटते समय उसकी नजर एक युवक पर पड़ी, जो उसकी एक वर्षीय बच्ची को उठाकर ले जा रहा था। उन्होंने बताया कि महिला ने शोर मचाया, जिससे पास में ही सो रहा उसका पति व अन्य लोग जाग गए लेकिन इस हड़बड़ाहट में चोर चलती गाड़ी में सवार होकर फरार हो गया। अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी की फुटेज में भी एक युवक पूजा की बच्ची को गोद में उठाकर ले जाता दिखाई दिया है।

मैं डरता नहीं, सच बोलता रहूंगा: महाराष्ट्र में प्राथमिकी दर्ज होने पर तेजस्वी यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटिहार (बिहार)/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित महाराष्ट्र में अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी से ''नहीं डरते'' और ''सच बोलना जारी रखेंगे।

तेजस्वी के खिलाफ उनके 'एक्स' हैंडल पर किए गए एक पोस्ट के लिए गढ़चिरौली जिले में मामला दर्ज किया गया है। इस पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लोगों से किए गए वादे जुमला थे। तेजस्वी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री के बिहार दौरे से पहले यह पोस्ट किया था। जब 'पीटीआई वीडियो' ने मामले में टिप्पणी के लिए संपर्क किया, तो तेजस्वी ने पलटवार करते हुए कहा, प्राथमिकी से कौन डरता है? क्या 'जुमला' कोई आपत्तिजनक शब्द है? मैं तो बस सच कह रहा था। और मैं ऐसा करना जारी रखूंगा। वे मेरे खिलाफ जितने चाहें, उतने मामले दर्ज करा सकते हैं। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ बिहार के कटिहार जिले में मछली बाजारों और मखाना के खेतों की यात्रा करते हुए यह बात कही। राहुल 'वोटर अधिकार यात्रा' के तहत बिहार के दौरे पर हैं। कांग्रेस नेता को मछुआरों और मखाना उत्पादकों से बातचीत करते तथा उनकी समस्याएं सुनते देखा गया। इस दौरान निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव सहित कई नेता मौजूद थे। इस साल की शुरुआत में पेश केंद्रीय बजट में मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 'मखाना बोर्ड' की स्थापना की घोषणा की गई थी।

'घपला तिकड़ी' मिलकर वोट की डकैती कर रही हैं: अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), निर्वाचन आयोग और अधिकारियों को 'घपला तिकड़ी' करार देते हुए कहा कि तीनों मिलकर वोटों की डकैती कर रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, भाजपा-निर्वाचन आयोग-अधिकारी' की 'घपला तिकड़ी' मिलकर 'वोट-डकैती' कर रही है। यादव ने कहा, दरअसल ये वो तीन तिगाड़ा है, जिनकी साठगांठ ने देश का वर्तमान-भविष्य बिगाड़ा है।

उन्होंने पोस्ट में दो मिनट 49 सेकेंड का एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें शुरुआत में ही यह नारा गूंज रहा है-वोट की चोरी करने वालों, जनता तुम्हें हराएगी, पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के लोग डंटे हैं, सत्ता तेरी जाएगी!

मेरी हत्या होती है तो इसके जिम्मेदार अखिलेश यादव होंगे: पूजा पाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कौशांबी (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करने पर समाजवादी पार्टी से निष्कासित की गईं विधायक पूजा पाल ने कहा है कि अगर उनकी हत्या होती है तो इसके लिए समाजवादी पार्टी (सपा) और उसके प्रमुख अखिलेश यादव जिम्मेदार होंगे।

पाल ने 'एक्स' पर लिखा, मेरे पति के हत्यारों को सजा मिल गई है। आपने (अखिलेश) मुझे जिस तरह से बीच रास्ते में अपमानित करके मरने के लिए छोड़ दिया है, उससे समाजवादी पार्टी के आपराधिक प्रवृत्ति के समर्थकों का मनोबल बहुत बढ़ गया है। इसलिए संभव है कि मेरे पति की तरह मेरी भी हत्या कर दी जाए। यदि ऐसा होता है तो मेरी हत्या का वास्तविक दोषी समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव को माना जाए। पाल ने सपा से निष्कासित होने के बारे में लिखा, इतने बड़े बड़े दर्द सहने के बाद आपकी पार्टी से निष्कासन का दर्द बहुत छोटा दिखता है। अखिलेश यादव जी आप अपने दिमाग पर जोर डालकर यह याद कीजिए कि प्रयागराज की सड़कों पर दौड़ा-दौड़ाकर मेरे पति की हत्या की गई थी। उन्होंने कहा, संविधान बचाने का ढोंग करने वाली आपकी पार्टी की सरकार के कार्यकाल में अति पिछड़े परिवार की बदनसीब बेटी के पति का पार्थिव शरीर, अंतिम संस्कार के लिए भी नहीं दिया गया। आप अतीक अहमद जैसे पापी के आगे झुक गए होंगे, लेकिन इतने दिनों में मैं कभी किसी माफिया के सामने ना झुकी हूं और ना भयभीत हुई।

उल्लेखनीय है कि प्रयागराज के माफिया अतीक अहमद की हत्या को लेकर पूजा पाल ने हाल ही में सदन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की थी जिसके बाद अखिलेश यादव ने पूजा पाल को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। पूजा पाल ने कहा, समाजवादी पार्टी के नेताओं के कहने पर मैं इस पार्टी में शामिल हुई और तीसरी बार विधायक बनी। लेकिन पार्टी में कार्य करते हुए मुझे एहसास होने लगा कि यहां मुस्लिम को पहला दर्जा मिला हुआ है, जबकि पिछड़े, अति पिछड़े और दलित दूसरे दर्जे के हैं। उन्होंने कहा, मुस्लिम चाहे जितने बड़े अपराधी हों, उनको सम्मान देना, उनको ताकत देना, उनकी शक्ति बढ़ाना समाजवादी पार्टी की पहली प्राथमिकता है। मैंने बहुत प्रयास किया कि आप हमारे पति के हत्यारों को उनके किए की सजा दिलाएंगे, लेकिन हर प्रयास के बावजूद सिर्फ निराशा ही हाथ लगी। उल्लेखनीय है कि बहुजन समाज पार्टी के विधायक और पूजा पाल के पति राजू पाल की 2005 में हत्या कर दी गई थी। हत्या का आरोप माफिया अतीक अहमद पर था। राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल की हत्या समेत 100 से अधिक आपराधिक मामलों में नामजद अतीक अहमद की 15 अप्रैल, 2023 को प्रयागराज के काल्विन अस्पताल के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

असम के राजमार्गों की मरम्मत होने तक टोल वसूली स्थगित करे सरकार : गौरव गोगोई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने केंद्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर प्रदेश में राजमार्गों की मरम्मत होने तक टोल वसूली स्थगित करने का आग्रह किया है।

लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गोगोई ने दावा किया कि राजमार्गों पर टोल वसूली को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ रही है, क्योंकि राजमार्गों की हालत बहुत खराब है। गोगोई ने गडकरी को लिखे पत्र में कहा, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एनएच-27 और एनएच-37 के प्रमुख हिस्सों पर टोल वसूलना जारी रखे हुए है, जबकि सड़कें गहरे गड्ढों, असमान सतहों और लगातार जलभराव से ग्रस्त हैं। शनिवार को इस पत्र की प्रति मीडिया से साझा की गई। गोगोई ने कहा, इन स्थितियों से जीवन को खतरा होता है, वाहनों को नुकसान पहुंचता है और यात्रा में विलंब होता है। विशेष चिंता का विषय सोनापुर-राहा (एनएच-27/एनएच-37) और बैहाटा चरियाली (मदनपुर)-नलबाड़ी (गलिया टोल प्लाजा) टोल प्लाजा हैं, जहां कई दुर्घटनाएं होती हैं और यात्रा का समय भी लंबा होता है। जोरहाट से सांसद गोगोई ने कहा कि मौजूदा और आगामी दोनों टोल प्लाजा के खिलाफ प्रदर्शन हुए हैं तथा लोग बाढ़, बेरोजगारी और मुद्रास्फीति के बीच बढ़ते टोल शुल्क का विरोध कर रहे हैं। असम की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण ट्रक चालक और ट्रांसपोर्टर भारी लागत की शिकायत करते हैं, जिससे आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाती हैं और उससे घरेलू खर्च पर और अधिक बोझ पड़ता है। गोगोई ने कहा, केरल में एनएच-544 की स्थिति पर उच्चतम न्यायालय के हालिया फैसले के मद्देनजर यह मामला अत्यावश्यक हो गया है, जिसमें कहा गया है कि नागरिकों को नालियों और गड्ढों से गुजरने के लिए टोल का भुगतान करने को मजबूर नहीं किया जा सकता।

गोगोई ने कहा कि आदेश में जोर दिया गया है कि टोल संग्रह का मूल आधार सुरक्षित और विनियमित पहुंच प्रदान करना है और ऐसा सुनिश्चित करने में विफलता टोल व्यवस्था की वैधता को कमजोर करती है।

शुभेंदु की नजर ममता की भवानीपुर सीट पर, तृणमूल नंदीग्राम पर दे रही खास ध्यान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बिसात नए सिरे से बिछाई जा रही है जहां विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी ने अपनी नजरें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्वाचन क्षेत्र भवानीपुर पर टिका दी हैं, जबकि तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने भाजपा नेता के गढ़ नंदीग्राम पर अपना ध्यान केंद्रित किया है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सूत्रों के अनुसार, अधिकारी ने बूथ स्तर की ताकत और कमजोरियों का पता लगाने के लिए भवानीपुर में एक विशेष सर्वेक्षण शुरू किया है, जिसमें पता लगाया जा रहा है कि 2021 में मुख्यमंत्री बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने कहां बढ़त बनाई और कहां पिछड़ गई।

भाजपा के एक नेता ने कहा, शुभेंदु अधिकारी का रुख स्पष्ट है; ममता बनर्जी को भवानीपुर में खुली छूट नहीं मिलेगी। हम हर मतदाता का विवरण जुटा रहे हैं और इस निर्वाचन क्षेत्र में एक विशेष कार्यालय बनाने पर भी विचार कर रहे हैं।

हाल में बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की संभावना पर अधिकारी ने आगाह किया था, इस बार हजारों फर्जी नाम हटाए जाएंगे। हम इस बार इस सीट पर ममता बनर्जी की हार सुनिश्चित करेंगे।

इसके विपरीत, तृणमूल कांग्रेस चुपचाप लेकिन लगातार नंदीग्राम में अपनी रणनीति बदल रही है, जहां 2021 में शुभेंदु अधिकारी के साथ ममता की भिड़ंत में अधिकारी 1,956 वोटों से जीते थे। इसका परिणाम अभी भी अदालत में लंबित है।

तृणमूल सूत्रों ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी सहित शीर्ष नेताओं ने शुभेंदु अधिकारी के क्षेत्र में पैठ बढ़ाने के लिए जिला नेताओं और ब्लॉक स्तर के नेताओं के साथ लगातार बैठकें शुरू कर दी हैं।

राज्य में सत्तारूढ़ दल के एक नेता ने कहा, पिछले कुछ सप्ताह में, अभिषेक बनर्जी जैसे पार्टी के शीर्ष नेताओं ने तामलुक समेत कई संगठनात्मक जिलों के नेताओं से मुलाकात की है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि नंदीग्राम के लिए एक अलग, केंद्रित रणनीति की जरूरत है। बूथ अध्यक्षों और जमीनी स्तर के नेताओं के साथ जल्द ही एक विशेष बैठक बुलाई जाएगी।

अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले, दोनों खेमे इन दो निर्वाचन क्षेत्रों के प्रतीकात्मक महत्व को नहीं भूले हैं।

जहां भवानीपुर एक दशक से भी अधिक समय से ममता बनर्जी का गढ़ रहा है, वहीं नंदीग्राम में उनका दांव 2021 में उल्टा पड़ गया। फिलहाल, सबकी नजर नंदीग्राम में तृणमूल के अगले कदम पर है।

तृणमूल के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, पार्टी आलाकमान जानता है कि शुभेंदु को उनके ही घर में हराने का असर सिर्फ़ संख्याबल से कहीं ज़्यादा होगा। यह एक राजनीतिक बदला होगा।

नंदीग्राम 2007 में सुर्खियों में आया था। भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आंदोलन के तेज होने के कारण बाद में वाम मोर्चा की सरकार सत्ता से बेदखल हो गई और ममता बनर्जी सत्ता में आईं। शुभेंदु अधिकारी उस समय ममता बनर्जी के करीबी नेताओं में थे। विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले दिसंबर 2020 में अधिकारी भाजपा में शामिल हो गए।

गैंगस्टर मयंक सिंह को आजरबैजान से प्रत्यर्पित करके रांची लाया गया

रांची/भाषा। अजरबैजान से प्रत्यर्पण के बाद झारखंड आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा गैंगस्टर मयंक सिंह को शनिवार सुबह रांची वापस लाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि झारखंड एटीएस के पुलिस अधीक्षक ऋषव कुमार झा के नेतृत्व में एटीएस के दल ने दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के अनुसार औपचारिकताएं पूरी कीं और फिर सिंह उर्फ सुनील मीणा को वापस लाने के लिए आजरबैजान का दौरा किया।

रांची हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद झा ने कहा, झारखंड पुलिस के इतिहास में यह पहला सफल प्रत्यर्पण है। हमें उम्मीद है कि विदेश में मौजूद बाकी अपराधियों को भी जल्द ही प्रत्यर्पण या निर्वासन के जरिए वापस लाया जाएगा। उन्होंने कहा, यह एक बड़ी उपलब्धि है और इसका श्रेय हमारे पुलिस महानिदेशक, मुख्यमंत्री और राज्य व केंद्र सरकार के सहयोग को जाता है। एसपी ने बताया कि सिंह झारखंड, राजस्थान और पंजाब समेत अन्य राज्यों में दर्ज 50 से अधिक मामलों में वांछित है।

ग्रेट निकोबार परियोजना पारिस्थितिकी संबंधी 'महा आपदा' : जयराम रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव और पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने 'ग्रेट निकोबार मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर' परियोजना को पारिस्थितिकी संबंधी महा आपदा करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस परियोजना को मनमाने ढंग से आगे बढ़ाया जा रहा है।

रमेश ने इस मुद्दे पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ अपने पिछले संवाद का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने परियोजना पर चिंता जताई थी। रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पर्यावरण मंत्री के साथ बातचीत का कोई ठोस परिणाम नहीं निकला है। उन्होंने कुछ खबरों का हवाला देते हुए कहा कि नए साक्ष्य बताते हैं कि वन अधिकार अधिनियम के तहत स्थानीय आदिवासी समुदायों के अधिकारों का समाधान नहीं किया गया है। रमेश ने दावा किया कि यह परियोजना नि:संदेह पारिस्थितिकी संबंधी महा आपदा है। कांग्रेस नेता ग्रेट निकोबार परियोजना को लेकर कई बार चिंता जता चुके हैं। इस क्षेत्र के वनवासियों और आदिवासियों के अधिकारों का ध्यान नहीं रखा गया है। ग्रेट निकोबार परियोजना में 160 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में एक बंदरगाह, एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक टाउनशिप और एक बिजली संयंत्र का निर्माण शामिल है।

दुकानदार ने टॉफी का लालच देकर दो बच्चों से किया कुकर्म, गिरफ्तार

बलिया/भाषा। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में टॉफी का लालच देकर आठ और नौ वर्ष के दो बच्चों से कथित तौर पर कुकर्म करने वाले दुकानदार को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि उभांव थानाक्षेत्र के एक कस्बे में 11 अगस्त की शाम को आठ और नौ वर्ष के दो बच्चे एक दुकान के सामने खेल रहे थे कि तभी अफजाल अंसारी उर्फ राजू मास्टर (43) नाम के दुकानदार ने दोनों बच्चों को टॉफी का लालच देकर बुलाया और दुकान में उनसे कथित तौर पर कुकर्म किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने बच्चों को घटना के बारे में किसी को भी बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी लेकिन बच्चों ने परिजनों को इसकी जानकारी दी।

विश्वकप में भारत की अब तक की सर्वश्रेष्ठ महिला टीम: रीमा मल्होत्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व हरफनमौला रीमा मल्होत्रा ने भारतीय महिला टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों के मिश्रण को शानदार करार देते हुए कहा कि यह विश्व कप में अब तक की सबसे मजबूत और घरेलू परिस्थितियों में चैंपियन बनने की दावेदार टीम है।

भारत और श्रीलंका की मेजबानी में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप का आयोजन 30 सितंबर से दो नवंबर तक होगा। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज शुरुआती दिन गुवाहाटी में श्रीलंका के खिलाफ करेगी। भारत की 15 सदस्यीय टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के शानदार मिश्रण का जिक्र करते हुए रीमा ने 'भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, यह किसी भी महिला विश्व कप को देखे तो भारत की सबसे मजबूत टीम है। इसमें हरमनप्रीत (कौर), स्मृति मंधाना, जैमी (जेमिमा रोड्रिग्स), दीप्ति (शर्मा) जैसी अनुभवी खिलाड़ी है तो वहीं अमनजोत कौर, क्रांति गौड़, श्री चरणी और ऋचा घोष जैसे दमखम वाले युवा भी है। उन्होंने कहा, टीम में जोश और होश का अच्छा मिश्रण है। मुझे नहीं लगता कि आपको विश्व कप के लिए इससे अच्छी टीम मिलेगी। आक्रामक बल्लेबाज शेफाली वर्मा टीम में जगह बनाने में नाकाम रही लेकिन रीमा ने उनकी जगह प्रतिका रावल के चयन को सही करार देते हुए कहा कि दिल्ली की इस बल्लेबाज के प्रदर्शन में निरंतरता रही है। प्रतिका ने भारत के लिए 14 एकदिवसीय में 54.07 के औसत से 754 रन (एक शतक और पांच अर्धशतक) रन बनाये हैं। शेफाली के नाम 29 एकदिवसीय में लगभग 23 के औसत से 644 रन (चार अर्धशतक) है। इस दौरान शेफाली का स्ट्राइक रेट 83.20 का रहा है तो वहीं प्रतिका ने इस मामले में भी बेहतर करते हुए 87.43 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। भारत के लिए 41 एकदिवसीय और 22 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाली रीमा ने कहा, शेफाली बड़ा नाम है। वह ऐसा एक्स फैक्टर (अपने दम पर मैच पासा पलटने वाला खिलाड़ी) है जिसे आप अपनी टीम में चाहते हैं। जब एक्स फैक्टर का सामना प्रदर्शन में निरंतरता से होता है तो मुझे लगता है कि कप्तान और चयनकर्ताओं ने नियमित अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को तरजीह दी है और यह सही भी है। प्रतिका ने मौकों को भुनाकर टीम में अपनी जगह बनाई है। उन्होंने पिछली कुछ शृंखलाओं में खुद को साबित किया है। उन्होंने दिखाया है कि उनके पास एकदिवसीय में भारत के प्रतिनिधित्व के लिए जरूरी तकनीक और मानसिकता है।

रीमा ने कहा कि भारत की बल्लेबाजी हमेशा मजबूत रही है लेकिन मौजूदा टीम में अब तेजी से रन बनाने वाले बल्लेबाज के साथ गेंदबाजी भी में काफी विविधता है। इस टीम में तेज गेंदबाजी में रेणुका सिंह ठाकुर, अमनजोत और अरुंधति रेड्डी का विकल्प है तो वहीं स्पिन में दीप्ति और राधा यादव के साथ स्नेह राणा भी है। स्नेह राणा सफेद गेंद के मैचों के लिए काफी परिपक्व हो चुकी है और उन्हें पता है कि वनडे में कैसी गेंदबाजी करनी है। भारतीय परिस्थितियों में यह तिकड़ी काफी कारगर साबित होगी। भारत दो बार फाइनल में पहुंचने के बावजूद महिला क्रिकेट विश्व कप अभी तक नहीं जीत पाया है। 2017 के फाइनल में भारत को इंग्लैंड के खिलाफ नौ रनों से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि 2005 के फाइनल में उसे ऑस्ट्रेलिया ने 98 रनों से हराया था। आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर रीमा ने कहा, हम कुछ मौकों पर खिताब के करीब पहुंचे लेकिन चैंपियन बनने से दूर रह गए। लेकिन यह अलग टीम है। जब आप अच्छा करके बड़े टूर्नामेंट में जाते है तो आत्मविश्वास काफी बढ़ा होता है।

प्रधानमंत्री का घुसपैठियों वाला बयान बिहार के लोगों का 'अपमान': कांग्रेस

कटिहार (बिहार)/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का घुसपैठियों से संबंधित बयान बिहार के लोगों का अपमान है। पार्टी के राज्यसभा सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी ने कटिहार में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बिहार के लोग आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दलों को करारा जवाब देंगे।

कांग्रेस नेता ने कहा, शुक्रवार को गयाजी में जनसभा में प्रधानमंत्री द्वारा घुसपैठियों पर दिया गया बयान बिहार के लोगों का अपमान है। यह उन 65 लाख से ज्यादा लोगों का भी अपमान है जिनके वोट बिहार में काट दिए गए हैं। बिहार के लोग भाजपा और उसके सहयोगियों को करारा जवाब देंगे। प्रतापगढ़ी ने सवाल किया, प्रधानमंत्री को यह बताना चाहिए कि घुसपैठिए बिहार में कैसे घुस आए...केंद्र सरकार के अधीन आने वाले सीमा सुरक्षा बल पिछले 11 वर्षों से क्या कर रहे हैं? प्रधानमंत्री ने गयाजी में शुक्रवार को एक जनसभा में कहा था, देश में घुसपैठियों की बढ़ती संख्या बेहद चिंता का विषय है। बिहार के सीमावर्ती जिलों में जनसांख्यिकी तेजी से बदल रही है। इसीलिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने तय किया है कि इस देश का भविष्य घुसपैठियों के हाथों में नहीं जाने दिया जायेगा। उन्होंने कहा था, हम घुसपैठियों को बिहार के युवाओं का रोज़गार छीनने नहीं देंगे।

सुविचार

साहस का अर्थ ये नहीं कि डर ही न हो, बल्कि ये है कि डर के बावजूद आगे बढ़ा जाए।

ट्वीट

चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता को समर्पित राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं! यह दिवस भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों, अनुसंधान क्षमता और अंतरिक्ष विज्ञान में बढ़ते वैश्विक नेतृत्व का प्रतीक है।

-भजनलाल शर्मा

वंदे भारत केवल एक ट्रेन नहीं, एक नई गति है। यशस्वी प्रधानमंत्री जी के आशीर्वाद और माननीय रेल मंत्री जी के सहयोग से जोधपुर को दिल्ली के लिए 'अपनी' वंदे भारत एक्सप्रेस मिली है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कहानी

दरिंदे

रूपसिंह चंदेल

आपकी चिन्ता वाज़िब है। शिखर समितियाँ भी शिकायतों के बोझ से दबी हुई हैं। वर्षों पुरानी शिकायतों का निस्तारण वे नहीं कर पातीं। उनकी भी समस्याएँ हैं। चार समितियाँ हैं और चारों के अधिकार क्षेत्र अलग हैं। चारों यही निर्णय नहीं कर पातीं कि कौन-सी शिकायत किसके अधिकार क्षेत्र की है... हैं बेशक सभी यौन-प्रताड़ना से संबन्धित। किसी महिला प्राध्यापक को उसके सहयोगी ने प्रताड़ित करने का प्रयत्न किया तो किसी छात्रा को उसके प्रोफेसर ने। सभी शिकायतकर्ता अर्पिता वर्मा जैसी भाग्यशाली नहीं कि उन्हें वी.सी. बुला लेते या कोई पत्रकार तक उनकी पीड़ा पहुँच पाती। वी.सी. अति व्यस्त व्यक्ति... देश-देशांतर के सेमिनारों आदि में उन्हें भाग लेना होता है। किस-किस की सुनें।

आप भले ही यह सोचें कि यह किसी विश्वविद्यालय के किसी प्रोफेसर की कहानी है, जिसकी अधीनस्थ अधिकारी ने उसके विरुद्ध यौन प्रताड़ना की लिखित शिकायत वाइस चांसलर से लेकर ऐसे मामलों के लिए गठित शिखर समितियों से की; लेकिन वे लंबे समय तक कान में तेल डाले बैठे रहे और प्राफेसर साहब अपने मित्रों और परिचितों से शिकायतकर्ता पर दबाव डलवाते रहे कि वह शिकायत वापस लेकर अपनी नौकरी की रक्षा करे, क्योंकि उसकी नौकरी एडहॉक है।

मेरी कहानी न किसी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बनर्जी, चटर्जी, मुखर्जी, बाली, कमाली, सिंह, शर्मा की है और न ही वहाँ की किसी अधीनस्थ अधिकारी या कर्मचारी मिस मोनिका या मीनाक्षी की। यह कहानी एक विशुद्ध क्लर्क की है, जो एक सरकारी दफ्तर में काम करती थी।

मैं जानता हूँ कि पूरी कहानी सुनने के बाद आप यह कहेंगें कि मेरी पात्र विमला रस्तोगी और प्रोफेसर के विरुद्ध शिकायत दर्ज करवाने वाली उसकी अधीनस्थ अधिकारी अर्पिता वर्मा की कहानी में साम्यता है। आप यह भी कहेंगे कि विमला रस्तोगी को सताने वाला महानिदेशक वेणु कामथ और अर्पिता वर्मा से तुम्हारे पास बहुत कीमती...' और सट जा या हट जा जैसे शब्द कहने वाले प्रोफेसर प्रद्योत सेन में कोई अंतर नहीं है। लेकिन दोनों में कुछ अंतर है...। अर्पिता वर्मा की प्रताड़ना की कहानी एक पत्रकार को ज्ञात हुई, उसने उसे समझा और अपने राष्ट्रीय दैनिक में प्रकाशित कर दिया। विश्वविद्यालय प्रशासन में कुछ सुगबुगाहट हुई। मेजें हिलीं, कुर्सियों में फुसफुसाहट हुई। वाइस चांसलर ने शिकायत न मिलने, कहीं डाक स्तर में पड़ी होने को लेकर मलाल व्यक्त किया। लेकिन बड़े विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर का दिल बड़ा होता है। उन्होंने कहलवाया कि पीड़िता को शिकायत लिख भेजने के बजाय सीधे उनसे मिलकर पीड़ा व्यक्त करनी चाहिए थी। आखिर वह भी प्रोफेसर थे... अभी भी हैं। एक प्रोफेसर के विरुद्ध एक अदने अधिकारी की शिकायत सुनना उनके कर्तव्य क्षेत्र में आता है। दण्ड-व्यवस्था बाद की बात है। शिकायत उन तक पहुँचनी चाहिए। पंद्रह दिन बाद भी नहीं पहुँची तो शिकायतकर्ता को दुखी नहीं होना चाहिए। अर्जी कहीं अटक गई है। सभी पर काम का बोझ है। फाइलों के बोझ तले अर्पिता वर्मा की अर्जी कहीं दबी होगी। शिक्षा के मंदिर का छोटा-बड़ा हर पुजारी बहुत व्यस्त है। लेकिन अर्जी का दम घुटने न पाएगा। अंतिम साँस तक वह निकलेगी और उन तक पहुँच ही जाएगी। लेकिन वह सहृदय हैं... दयालु हैं और अर्पिता वर्मा को उन्होंने स्वयं आकर मिलने का संदेश दिया। वह गई और शिकायत ले ली गई। कृपालु वी.सी. ने दम साधकर प्रोफेसर प्रद्योत सेन के विरुद्ध शिकायत सुनी और अर्पिता वर्मा के अपने चैम्बर से बाहर निकलने के बाद पत्रकार को दिल खोलकर कोसा जो छोटे-बड़े मसलों को एक-सा मानकर मनमाने ढंग से रिपोर्ट छाप देते हैं।

लेकिन मित्र, विमला रस्तोगी किससे शिकायत करती! तब तक यौन प्रताड़ना के विषय में कोर्ट का सख्त आदेश न था और होता भी तब भी सरकारी दफ्तर, जहाँ अफसरों की तानाशाही किसी राजशाही ढंग से कार्यरत है, विमला रस्तोगी को मीडिया तक जाने का साहस न दे पाता। हाँ, आप ठीक कह रहे हैं। विश्वविद्यालयों में भी प्रोफेसरों की तानाशाही सरकरी अफसरशाही से कम नहीं है।

पी-एच.डी. से लेकर नियुक्तियों तक... सर्वत्र अराजकता व्याप्त है। आपकी सलाह महत्वपूर्ण है कि देश के सभी केन्दीय विश्वविद्यालयों की नियुक्तियाँ यू.पी.एस.सी. द्वारा संयुक्त विज्ञापन के आधार पर की जाएँ और प्राध्यापक से लेकर प्राफेसर तक के पद स्थानातंरणीय हों। शायद तब शिक्षा के मंदिरों में होने वाले भ्रष्टाचार पर कुछ अंकुश लग सके। वर्ना प्रोफेसरों के कच्छे ढीले होने की कहानियों पर विराम संभव नहीं और न ही अपने चहेतों की नियुक्तियों पर रोक।

आपकी चिन्ता वाज़िब है। शिखर समितियाँ भी शिकायतों के बोझ से दबी हुई हैं। वर्षों पुरानी शिकायतों का निस्तारण वे नहीं कर पातीं। उनकी भी समस्याएँ हैं। चार समितियाँ हैं और चारों के अधिकार क्षेत्र अलग हैं। चारों यही निर्णय नहीं कर पातीं कि कौन-सी शिकायत किसके अधिकार क्षेत्र की है... हैं बेशक सभी यौन-प्रताड़ना से संबन्धित। किसी महिला प्राध्यापक को उसके सहयोगी ने प्रताड़ित करने का प्रयत्न किया तो किसी छात्रा को उसके प्रोफेसर ने। सभी शिकायतकर्ता अर्पिता वर्मा जैसी भाग्यशाली नहीं कि उन्हें वी.सी. बुला लेते या कोई पत्रकार तक उनकी पीड़ा पहुँच पाती। वी.सी. अति व्यस्त व्यक्ति... देश-देशांतर के सेमिनारों आदि में उन्हें भाग लेना होता है। किस-किस की सुनें। अर्पिता वर्मा को सुन लिया यह क्या कम है!

आप ठीक कह रहे हैं। अर्पिता वर्मा जैसी लड़कियाँ उँगलियों में गिनने योग्य हैं। लेकिन हैं... कम से कम शिक्षा के मंदिरों में ऐसी लड़कियाँ हैं। यदि न होतीं तो शिखर समितियों के पास शिकायतों का जो पुलिन्दा पड़ा है, वह न होता। आप यह भी कह सकते हैं कि यह पुलिन्दा पड़ा ही क्यों है? भई,यह प्रश्न न्यायालय के संदर्भ में भी उठ सकता है। वहाँ न्याय पाने के लिए जिन्दगी ही गुजर जाती है। पहले ही कहा, इसका सीधा कारण काम के बोझ से है। शिखर समितियों के पास कितना काम है... इसकी कल्पना आप नहीं कर सकते। लेकिन आप इस बात से दुखी क्यों हैं कि अपराधी उन्मुक्त घूमते हैं, दूसरों को प्रताड़ित करने की जुगत खेजते हैं और सबसे बड़ी बात यह कि यदि कभी कुछ कार्यवाई हुई भी उनके विरुद्ध तो उन्हें मात्र चेतावनी दी जाती है, या तीन इन्क्रीमेण्ट रोक दिए जाते हैं या... केवल एक ही मामला है इस विश्वविद्यालय के इतिहास में कि यौन-प्रताड़ना प्रकरण में एक प्रोफेसर साहब को नौकरी गँवानी पड़ी थी।

लेकिन विमला रस्तोगी एक सरकारी दफ्तर में नौकरी करती थी, जहाँ किसी अधिकारी के खिलाफ शिकायत करना अपराध था। उसकी सजा नौकरी से बर्खास्तगी या स्थानांतारण था। आप कहते हैं कि बर्खास्तगी विश्वविद्यालय में भी होती है। बताया न कि इस विश्वविद्यालय के इतिहास में केवल एक ही प्रोफेसर को नौकरी से हटाया गया। हाँ, नौकरी जाती है उन्हीं की जो अनुबन्ध पर या एडहॉक होते हैं। नियमित की बर्खास्तगी आसान नहीं। आपने ही बताया कि वहाँ यूनियन ताकतवर है' ...आप सही कहते हैं। शिक्षकों की यूनियन ताकतवर है। उनकी माँगों के सामने सरकार तक घुटने टेक देती है। वह हड़ताल की धमकी देती है और सरकार दुम हिलाती नजर आती है। लेकिन मित्र, कर्मचारी यूनियन यदि ताकतवर होती तो स्थिति ही कुछ और होती। मुझे लगता है कि इस यूनियन में अवसरवादी बैठे हैं जो अपने निजी लाभ के लिए उच्चाधिकारियों के विरुद्ध आवाज उठाना पसंद नहीं करते। और यदि करते हैं तो केवल अपने हित साधन के लिए।

लेकिन मैं चाहता हूँ कि अब आप चुप रहें। विमला रस्तोगी की चर्चा चलते ही यदि आप अर्पिता वर्मा या विश्वविद्यालय के प्रसंग छेड़ते रहे तो मैं विमला रस्तोगी की बात आप तक नहीं पहुँचा पाऊँगा, जिसे मैं ही पहुँचा सकता हूँ क्योंकि मैं उसका सहयोगी जो था।

विमला रस्तोगी ने बी.ए. किया ही था कि उसके पिता की मृत्यु हो गयी। उन दिनों कर्मचारी की मृत्यु पर परिवार के किसी सदस्य, पत्नी या बच्चे को, अनुकंपा के आधार पर नौकरी मिल जाती थी। विमला रस्तोगी पिता के स्थान पर क्लर्क बनकर महानिदेशालय कार्यालय में आयी। उन्हीं दिनों यूडीसी के रूप में मैं भी उस कार्यालय में नियुक्त हुआ। विमला को मेरे ही अनुभाग में टाइपिंग के काम में लगाया गया। तीखे नाक-नक्श की सुन्दर लड़की थी वह, जिसके बाल कमर से नीचे तक लटकते रहते थे, जिनमें वह दो बेड़ियाँ गूँथतीं थी। और जब वह चलती तब दोनों चोटियाँ सर्पिणी की भाँति नितम्बों पर हिलती-डुलती रहतीं थीं।

महानिदेशक कार्यालय का यह नियम था, हो सकता है उस विश्वविद्यालय में भी हो, कि जो भी नया व्यक्ति वहाँ नियुक्त होकर आता, दो-चार दिन में उसकी पेशी महानिदेशक वेणु कामथ के सामने अवश्य होती। मेरी भी हुई और मैंने पाया कि वेणु कामथ बहुत मधुर ओर सौम्य स्वभाव का व्यक्ति था। साक्षात्कार के दोरान मेरी टाँगें और आवाज काँप रही थीं, क्योंकि अनुभाग वालों ने कहा था कि दबकर ही उत्तर दूँ... साहब नाराज न हों, खयाल रखूँ। इससे मैं भयभीत था। शायद कामथ ने यह समझ लिया था और साहस देते हुए कहा था कि ईमानदारी से अपना काम करूँ और यदि कोई परेशानी अनुभव करूँ तब पीए के माध्यम से उनसे मिलकर बताऊँ।

महानिदेशक के कमरे से बाहर आया तब मैं कुछ और ही था। भय जा चुका था, क्योंकि कामथ ने मुझसे प्रेम से बात की थी और जब विमला रस्तोगी की पेशी हुई, उसे मुझसे भी अधिक प्यार-दुलार से कामथ ने समझाया। विमला भी गदगद थी। वह मित-भाषी थी। अधिकतर अपनी ही सीट पर चिपकी रहने वाली। कभी बात भी करती तो मुझसे, क्योंकि मैंने उससे एक सप्ताह पहले ज्वाइन किया था।

महानिदेशक कार्यायल में उन दिनों दस और महिलाएँ थीं। लंच के समय वे एक साथ लंच करतीं। उनके आग्रह पुनराग्रह से विमला उनके साथ लंच करने लगी थी। मेरे परिचितों का दायरा भी बढ़ने लगा था। मैं भी लंच में दो-चार बाबुओं के साथ घूमने जाने लगा। एक दिन एक सहयोगी बोला, छ: महीने बीतने को आए, कामथ ने विमला रस्तोगी को याद नहीं किया?'

'क्यों?' मैंने पूछा। 'सहयोगी के चेहरे पर व्यंग्य मुस्कान थी, तुझे कुछ नहीं मालूम?' 'क्याऽऽऽ?' 'शिकार।' 'कैसा?' मैं चौंका था। सहयोगी, जो तीन थे, ठठाकर हँसे थे। हम आइसक्रीम वाले के पास थे। आइसक्रीम ली गई और बात आई गई हो गई थी। और ठीक उसके अगले सप्ताह सुबह दस बजे प्रशासनिक अनुभाग पाँच, जिसका काम अफसरों और उनके बीबी-बच्चों और बँगलों का खयाल रखना था, का अनुभाग अधिकारी विमला रस्तोगी के पास झुका हुआ कुछ फुसफुसा रहा था। विमला रस्तोगी एक सादा कागज और पेन लेकर उसके पीछे हो ली थी। अनुभाग के बाबुओं ने आँखों ही आँखों में एक-दूसरे से कुछ बातें की थीं। मेरा अनुभाग अधिकारी फाइल पर सिर झुकाए कोई नोट तैयार कर रहा था। उसका चेहरा लाल हो उठा था और उसका हाथ काँप रहा था। सच यह था कि अनुभाग के सभी बाबुओं के चेहरों पर तनाव था। उन्हें लग रहा था कि अनुभाग पाँच का अनुभाग अधिकारी उनकी माँद में घुसकर बकरी उठा ले गया था और वे विवश थे कि अपना विरोध भी न जता सके थे। क्षण भर बाद ही सभी के सिर गर्दनों पर यों लटक गए थे मानो वे मुर्दा थे। मैं भौंचक एकाधिक बार उन्हें देख काम करने का प्रयत्न करने लगा था।

बीस मिनट भी न बीते थे कि विमला रस्तोगी दरवाजे पर प्रकट हुई। उसका चेहरा पीला और आँसुओं से भीगा हुआ था। सीट पर बैठते ही उसने टाइप राइटर पर सिर रख लिया और सुबक-सुबक कर रोने लगी। उसके आते ही मेरा अनुभाग अधिकारी फाइल दबा कमरे से बाहर निकल गया। अनुभाग के अन्य चारों बाबू क्रमश: एक-एक कर मुझसे यह कहकर चले गए कि वे चाय पीने जा रहे थे। मैं विमला रस्तोगी से कुछ पूछना चाहता था, लेकिन पूछ नहीं सका। भय, जुगुप्सा और आशंका के मिले-जुले भाव ने मुझे घेर लिया और मैं किंकर्तव्यविमूढ़-सा बैठा रहा।

लगभग एक घण्टा बीत गया। इस बीच अनुभाग अधिकारी फाइल दबाए दबे पाँव कमरे में प्रकट हुआ। उसका चेहरा अभी भी लाल था। बिना बोले नयी फाइल पर सिर झुका वह कुछ पढ़ने लगा था। मैं समझ रहा था कि वह पढ़ नहीं रहा था केवल पढ़ने का बहाना कर रहा था। अनुभाग अधिकारी के बाद एक-एक कर चारों बाबू आ गए और अपनी सीटों पर सिर झुकाकर बैठ गए। विमला रस्तोगी अभी -भी टाइपराइटर पर सिर रखे थी। कमरे में मृत्यु -सा सन्नाटा व्याप्त था। सन्नाटा प्रशासनिक अनुभाग दो के अनुभाग अधिकारी के आने से टूटा। उसके हाथ में एक आदेश की तीन प्रतियाँ थीं। उसने दरवाजे से ही आवाज दी, विमला रस्तोगी sss!

वह एक दक्षिण भारतीय था... संभवत: तमिल। उसे हिन्दी नहीं आती थी। विमला ने सिर नहीं उठाया। अनुभाग अधिकारी की आवाज कुछ ऊँची और तीखी हो उठी, आपको दफ्तर का डिसिप्लिन नईं मालूम?' अंग्रेजी में वह बोला। विमला ने सिर उठाया। आँसुओं की लकीरें उसके मुर्झाए चेहरे पर स्पष्ट थीं। आँखें सूजी हुई थीं।

'ये आपका ट्रांसफर आर्डर है। रिसीव करें...'

'विमला का चेहरा फीका पड़ गया। वह शायद नहीं समझ पा रही थी कि उसे क्या करना चाहिए। तभी सामने खड़ा व्यक्ति तमिल लहजे में अंग्रेजी में चीखा, जल्दी कीजिए और इसे लेकर तुरंत दफ्तर से चली जाइए। डीजी साहब का आदेश है। शुक्र है नौकरी नई गई। अभी प्रोबेशन पर है... और नखरे तो देखो...' वह क्षण भर के लिए रुका, दस दिन का ज्वाइनिंग टाइम दिया है। आपको चेन्नई के निदेशक कार्यालय में रिपोर्ट करना माँगता। ओके... विमला ने काँपते हाथों ट्रांसफर आर्डर ले लिया। प्रशासन दो का अनुभाग अधिकारी मेरे अनुभाग अधिकारी से उसी कड़क स्वर में बोला, 'मिस्टर सिंह, एक कॉपी आपके लिए...' और रिसीव करने के लिए उसने तीसरी प्रति सिंह के आगे बढ़ा दी। 'विमला रस्तोगी झटके से उठी। रूमाल से चेहरा पोछा। एक दृष्टि सब पर डाली। मुझे लगा शायद उस समय वह कहना चाह रही थी, तुम सब कापुरुष हो...। सब...' संभव है वह कुछ और ही कहना चाह रही हो। यह भी संभव है कुछ कहना ही न चाहती हो। बहरहाल, वह पर्स झुलाती कमरे से बाहर निकल गई थी किसी से कुछ कहे बिना। उस समय उसकी चाल में शिथिलता न थी... समर्पण के बजाए उसने सजा स्वीकार कर ली थी। विमला रस्तोगी पर अपने दो छोटे भाइयों और माँ का बोझ था, लेकिन वह चेन्नई नहीं गयी थी। पता चला उसने त्याग पत्र दे दिया था। आपकी बात सही है कि अर्पिता वर्मा प्रकरण ने आज मुझे सहसा विमला रस्तोगी की याद दिला दी। लेकिन मित्र, इस देश में हजारों-हजारों अर्पिता वर्मा और विमला रस्तोगी हैं, जिन पर न किसी पत्रकार की दृष्टि पड़ी न किसी लेखक की और दरिन्दों का खेल बदस्तूर जारी है।

– हिन्दी समय से साभार

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

शिवोऽहम्....(6)

आत्मषटकम के छठे और अंतिम श्लोक में आदिगुरु शंकराचार्य महाराज आत्मपरिचय को पराकाष्ठा पर ले जाते हैं।

अहं निर्विकल्पो निराकाररूपो
विभुत्वाच्च सर्वत्र सर्वेन्द्रियाणाम।
न चासङ्गतं नैव मुक्तिर्न मेयः
चिदानन्दरूपः शिवोऽहम शिवोऽहम।।

मैं किसी भिन्नता के बिना, किसी रूप अथवा आकार के बिना, हर वस्तु के अंतर्निहित आधार के रूप में हर स्थान पर उपस्थित हूँ। सभी इंद्रियों की पृष्ठभूमि में मैं ही हूँ। न मैं किसी वस्तु से जुड़ा हूँ, न किसी से मुक्त हूँ। मैं चैतन्य रूप हूँ, आनंद हूँ, शिव हूँ, शिव हूँ।

विचार करें, विवेचन करें तो इन चार पंक्तियों में अनेक विलक्षण आयाम दृष्टिगोचर होते हैं। आत्मरूप स्वयं को समस्त संदेहों से परे घोषित करता है। आत्मरूप एक जैसा और एक समान है। वह निश्चल है, हर स्थिति में अविचल है। आत्मरूप निराकार है अर्थात जिसका कोई आकार नहीं है। सिक्के का दूसरा पहलू है कि आत्मरूप किसी भी आकार में ढल सकता है। आत्मरूप सभी इन्द्रियों को व्याप्त करके स्थित है, सर्वव्यापी है। आत्मरूप में न मुक्ति है, न ही बंधन। वह सदा समता में स्थित है। आत्मरूप किसी वस्तु से जुड़ा नहीं है, साथ ही किसी वस्तु से परे भी नहीं है। वह कहीं नहीं है पर वह है तभी सबकुछ यहीं है।

वस्तुत: मनुष्य स्वयं के आत्मरूप को नहीं जानता और परमात्म को ढूँढने का प्रयास करता है। जगत की इकाई है आत्म। इकाई के बिना दहाई का अस्तित्व नहीं हो सकता। अत: जगत के नियंता से परिचय करने से पूर्व स्वयं से परिचय करना आवश्यक और अनिवार्य है।

मार्ग पर जाते एक साधु ने अपनी परछाई से खेलता बालक देखा। बालक हिलता तो उसकी परछाई हिलती। बालक दौड़ता तो परछाई दौड़ती। बालक उठता-बैठता, जैसा करता स्वाभाविक था कि परछाई की प्रतिक्रिया भी वैसी होती। बालक को आनंद तो आया पर अब वह परछाई को प्राप्त करना का प्रयास करने लगा। वह बार-बार परछाई को पकड़ने का प्रयास करता पर परछाई पकड़ में नहीं आती। हताश बालक रोने लगा। फिर एकाएक जाने क्या हुआ कि बालक ने अपना हाथ अपने सिर पर रख दिया। परछाई का सिर पकड़ में आ गया। बालक तो हँसने लगा पर साधु महाराज रोने लगे।

जाकर बालक के चरणों में अपना माथा टेक दिया। कहा, गुरुवर, आज तक मैं परमात्म को बाहर खोजता रहा पर आज आत्मरूप का दर्शन करा अपने मुझे मार्ग दिखा दिया। आत्मषटकम मनुष्य को संभ्रम के पार ले जाता है, भीतर के अपरंपार से मिलाता है। अपने प्रकाश का, अपनी ज्योति की साक्षी में दर्शन कराता है।

इसी दर्शन द्वारा आत्मषटकम से निर्वाणषटकम की यात्रा पूरी होती है। निर्वाण का अर्थ है, शून्य, निश्चल, शांत, समापन। हरेक स्थान पर स्वयं को पाना पर स्वयं कहीं न होना। मृत्यु तो हरेक की होती है, निर्वाण बिरले ही पाते हैं। षटकम के शब्दों को पढ़ना सरल है। इसके शाब्दिक अर्थ को जानना तुलनात्मक रूप से कठिन। भावार्थ को जानना इससे आगे की यात्रा है, मीमांसा कर पाने का साहस उससे आगे की कठिन सीढ़ी है पर इन सब से बहुत आगे है आत्मषटकम को निर्वाणषटकम के रूप में अपना लेना। अपना निर्वाण प्राप्त कर लेना। यदि निर्वाण तक पहुँच गए तो शेष जीवन में अशेष क्या रह जाएगा? ब्रह्मांड के अशेष तक पहुँचने का एक ही माध्यम है, दृष्टि में शिव को उतारना, सृष्टि में शिव को निहारना और कह उठना, शिवोऽहम...!

बोध कथा

अभागा बुनकर

एक नगर में सोमिलक नाम का जुलाहा रहता था। विविध प्रकार के रंगीन और सुन्दर वस्त्र बनाने के बाद भी उसे भोजन-वस्त्र मात्र से अधिक धन कभी प्राप्त नहीं होता था। अन्य जुलाहे मोटा-सादा कपड़ा बुनते हुए धनी हो गये थे। उन्हें देखकर एक दिन सोमलिक ने अपनी पत्नी से कहा---प्रिये ! देखो, मामूली कपड़ा बुनने वाले जुलाहों ने भी कितना धन-वैभव संचित कर लिया है और मैं इतन सुन्दर, उत्कृष्ट वस्त्र बनाते हुए भी आज तक निर्धन ही हूँ। प्रतीत होता है यह स्थान मेरे लिये भाग्यशाली नहीं है; अतः विदेश जाकर धनोपार्जन करूँगा। सोमिलक-पत्नी ने कहा---प्रियतम ! विदेश में धनोपार्जन की कल्पना मिथ्या स्वप्न से अधिक नहीं। धन की प्राप्ति होनी हो तो स्वदेश में ही हो जाती है। न होनी हो तो हथेली में आया धन भी नष्ट हो जाता है। अतः यहीं रहकर व्यवसाय करते रहो, भाग्य में लिखा होगा तो यहीं धन की वर्षा हो जायगी। सोमिलक---भाग्य-अभाग्य की बातें तो कायर लोग करते हैं। लक्ष्मी उद्योगी और पुरुषार्थी शेर-नर को ही प्राप्त होती है। शेर को भी अपने भोजन के लिये उद्यम करना पड़ता है। मैं भी उद्यम करूँगा; विदेश जाकर धन-संचय का यत्न करूँगा। यह कहकर सोमिलक वर्धमानपुर चला गया। वहाँ तीन वर्षों में अपने कौशल से 300 सोने की मुहरें लेकर वह घर की ओर चल दिया। रास्ता लम्बा था। आधे रास्ते में ही दिन ढल गया, शाम हो गई। आस-पास कोई घर नहीं था। एक मोटे वृक्ष की शाखा के ऊपर चढ़कर रात बिताई। सोते-सोते स्वप्न आया कि दो भयंकर आकृति के पुरुष आपस में बात कर रहे हैं। एक ने कहा ----हे पौरुष ! तुझे क्या मालूम नहीं है कि सोमिलक के पास भोजन-वस्त्र से अधिक धन नहीं रह सकता; तब तूने इसे 300 मुहरें क्यों दीं ? दूसरा बोला----हे भाग्य ! मैं तो प्रत्येक पुरुषार्थी को एक बार उसका फल दूंगा ही। उसे उसके पास रहने देना या नहीं रहने देना तेरे अधीन है।

स्वप्न के बाद सोमिलक की नींद खुली तो देखा कि मुहरों का पात्र खाली था। इतने कष्टों से संचित धन के इस तरह लुप्त हो जाने से सोमिलक बड़ा दुःखी हुआ, और सोचने लगा---अपनी पत्नी को कौनसा मुख दिखाऊँगा, मित्र क्या कहेंगे ? यह सोचकर वह फिर वर्धमानपुर को ही वापिस आ गया। वहाँ दित-रात घोर परिश्रम करके उसने वर्ष भर में ही 500 मुहरें जमा करलीं। उन्हें लेकर वह घर की ओर जा रहा था कि फिर आधे रास्ते में रात पड़ गई। इस बार वह सोने के लिये ठहरा नहीं; चलता ही गया। किन्तु चलते-चलते ही उसने फिर उन दोनों--- पौरुष और भाग्य---को पहले की तरह बात-चीत करते सुना। भाग्य ने फिर वही बात कही कि----हे पौरुष ! क्या तुझे मालूम नहीं कि सोमिलक के पास भोजन वस्त्र से अधिक धन नहीं रह सकता। तब, उसे तूने 500 मुहरें क्यों दीं ? पौरुष ने वही उत्तर दिया ----हे भाग्य ! मैं तो प्रत्येक व्यवसायी को एक बार उसका फल दूंगा ही, इससे आगे तेरे अधीन है कि उसके पास रहने दे या छीन ले। इस बात-चीत के बाद सोमिलक ने जब अपनी मुहरों वाली गठरी देखी तो वह मुहरों से खाली थी।

इस तरह दो बार खाली हाथ होकर सोमिलक का मन बहुत दुःखी हुआ। उसने सोचा----इस धन-हीन जीवन से तो मृत्यु ही अच्छी है। आज इस वृक्ष की टहनी से रस्सी बाँधकर उस पर लटक जाता हूँ और यहीं प्राण दे देता हूँ।

गले में फन्दा लगा, उसे टहनी से बाँध कर जब वह लटकने ही वाला था कि उसे आकाश-वाणी हुई---सौमिलक ! ऐसा दुःसाहस मत कर। मैंने ही तेरा धन चुराया है। तेरे भाग्य में भोजन-वस्त्र मात्र से अधिक धन का उपभोग नहीं लिखा। व्यर्थ के धन-संचय में अपनी शक्तियाँ नष्ट मत कर। घर जाकर सुख से रह। तेरे साहस से तो मैं प्रसन्न हूँ ; तू चाहे तो एक वरदान माँग ले। मैं तेरी इच्छा पूरी करूँगा।

वीर गाथा

लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी: साथी की रक्षा के लिए लगाई छलांग, जलधारा में दिया कर्तव्य के लिए बलिदान

लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी का जन्म भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में हुआ था। माता नीता तिवारी और पिता जंग बहादुर तिवारी के बेटे शशांक ने अपना सैन्य जीवन शुरू किया ही था कि वे अपने कर्तव्य पथ पर बलिदान हो गए। उस समय शशांक की उम्र 23 साल थी। वे छह महीने पहले सेना में कमीशन्ड हुए थे। उन्होंने 22 मई, 2025 को सिक्किम में एक ऑपरेशनल टास्क के दौरान अपने साथी सैनिक की जान बचाते हुए बलिदान दिया था।

लेफ्टिनेंट शशांक सिक्किम में एक टैक्टिकल ऑपरेटिंग बेस (टीओबी) की ओर रूट ओपनिंग गश्ती दल का नेतृत्व कर रहे थे। सुबह के लगभग 11 बज रहे थे और अग्निवीर स्टीफन लकड़ी के एक पुल को पार करते समय अपना संतुलन खो बैठे। वे नीचे गिरे और एक जलधारा में बह गए। यह देखकर शशांक ने तुरंत छलांग लगाई और अपने साथी सैनिक को बचाने के लिए आगे बढ़े। जलधारा का वेग बहुत ज्यादा था।

उनकी मदद के लिए एक और सैनिक ने भी छलांग लगाई। दोनों ने अग्निवीर को बचा लिया। हालांकि शशांक तेज़ धारा की चपेट में आ गए थे। वे बहते हुए बहुत दूर चले गए। गश्ती दल की काफी कोशिशों के बावजूद उन्हें नहीं बचाया जा सका।

आधा घंटे बाद उनका शव बरामद किया गया। लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी ने भारतीय सेना के आदर्शों को सर्वोपरि रखते हुए स्वयं से पहले अपने देशवासियों की फिक्र की। उन्होंने अपने कर्तव्य के सामने प्राणों की भी परवाह नहीं की।

ऐसे वीर सैनिकों के कारण ही यह देश सुरक्षित है। लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी को कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रदर्शन

अहमदाबाद में शनिवार को 'सेवेंथ डे स्कूल' के छात्रों के अभिभावक स्कूल प्रबंधन के खिलाफ बैनर लेकर स्कूल के बाहर एकत्रित हुए और 10वीं कक्षा के उस छात्र के लिए न्याय की मांग की जिसकी हत्या 8वीं कक्षा के एक छात्र ने की थी।

सफलता मेहनत और प्रतिबद्धता से तय होती है, परीक्षा के अंकों से नहीं : बीआर गवई

पणजी/भाषा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी आर गवई ने शनिवार को कहा कि पेशेवर जीवन में सफलता का स्तर परीक्षा परिणामों से नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत, समर्पण और काम के प्रति प्रतिबद्धता से निर्धारित होता है। उन्होंने याद किया कि वह एक प्रतिभाशाली छात्र थे, लेकिन कक्षाएं छोड़ देते थे। प्रधान न्यायाधीश ने पणजी के निकट मीरामार में वी एम सलगांवकर कॉलेज ऑफ लॉ के स्वर्ण जयंती समारोह में कहा कि कानूनी शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन आया है। उन्होंने लॉ कॉलेज के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, परीक्षा में अपने रैंक पर मत जाइए, क्योंकि ये परिणाम यह निर्धारित नहीं करते कि आप किस स्तर की सफलता प्राप्त करेंगे। आपका दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत, समर्पण और पेशे के प्रति प्रतिबद्धता ही मायने रखती है।

प्रधान न्यायाधीश गवई ने कहा कि वह एक असाधारण छात्र थे, लेकिन अक्सर कक्षाएं छोड़ देते थे। उन्होंने कहा, लेकिन हमारी नकल करने की कोशिश नहीं करें। उन्होंने याद किया कि जब वह मुंबई के सरकारी लॉ कॉलेज में पढ़ते थे, तो वे कक्षाएं छोड़कर कॉलेज की चारदीवारी पर बैठते थे और कक्षा में उनकी हाजिरी उनके मित्र लगाते थे। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, (कानून की डिग्री के) आखिरी साल में मुझे अमरावती जाना पड़ा, क्योंकि मेरे पिता (महाराष्ट्र) विधान परिषद के सभापति थे। मुंबई में हमारा घर नहीं था। जब मैं अमरावती में था, तो मैं लगभग आधा दर्जन बार ही कॉलेज गया था। मेरे एक मित्र, जो बाद में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने, मेरी हाजिरी लगा देते थे। सीजेआई गवई के पिता दिवंगत आर एस गवई रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (गवई) के संस्थापक थे। वह 1978 से 1982 तक महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति रहे। बाद में वे बिहार, सिक्किम और केरल के राज्यपाल बने। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि परिणामों में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाला छात्र आगे चलकर आपराधिक मामलों के वकील बने, जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाले छात्र उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने। उन्होंने कहा, और तीसरा मैं था, जो अब भारत का प्रधान न्यायाधीश हूं।

उन्होंने कहा कि वह कॉलेज गए बिना ही मेरिट सूची में तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन किताबें पढ़ते रहे और पांच साल के परीक्षा के प्रश्नपत्र हल करते रहे। प्रधान न्यायाधीश ने छात्रों से कहा, अब आप भाग्यशाली हैं कि पांच वर्षीय पाठ्यक्रम के आगमन के साथ, कानूनी शिक्षा प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन आया है। जब मैं बम्बई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में 'मूट कोर्ट' की अध्यक्षता करता था और छात्रों की दलीलें सुनता था, तो मुझे कभी-कभी लगता था कि उच्च न्यायालय के वकीलों को 'मूट कोर्ट' में उपस्थित होना चाहिए और युवा वकीलों से अदालत में बहस करना सीखना चाहिए।

भारत स्वास्थ्य संकट के कगार पर, मधुमेह, हृदय रोग, कैंसर के मामलों में हो रही वृद्धिः डॉक्टर

नई दिल्ली/भाषा

पद्म पुरस्कार से सम्मानित डॉक्टरों के एक समूह ने कहा कि भारत स्वास्थ्य संकट के कगार पर खड़ा है, जहां मधुमेह, हृदय रोग और कैंसर जैसी गैर-संक्रामक बीमारियां (एनसीडी) महामारी के स्तर पर पहुंच रही हैं।

हाल में 'पैसिफिक वनहेल्थ' द्वारा आयोजित एक सत्र में, डॉक्टरों ने चेताया कि तत्काल कार्रवाई के बिना, भारत इस एनसीडी महामारी से बहुत ज्यादा प्रभावित होगा। सर गंगाराम अस्पताल के न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष डॉ डी एस राणा ने सार्वभौमिक पहुंच और नैतिक विनियमन की आवश्यकता पर बल दिया।

पद्मश्री से सम्मानित डॉ राणा ने कहा, हमारा अंतिम लक्ष्य सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा होना चाहिए। भारत ने प्रगति की है, लेकिन असमानताएं अभी तक बनी हुई हैं। स्वास्थ्य सेवा को समतापूर्ण बनाने के लिए हमें मजबूत नैतिक प्रथाओं और नियामक साहस की आवश्यकता है, विशेष रूप से दवाओं के मूल्य निर्धारण और अस्पताल की लागत के मामले में।

हृदय रोग के बढ़ते मामलों पर, मेदांता के 'इंटरवेंशनल और स्ट्रक्चरल हार्ट कार्डियोलॉजी' के अध्यक्ष, डॉ प्रवीण चंद्रा ने कहा कि हृदय कई रोगों के लिए जिम्मेदार है।

पद्मश्री से सम्मानित डॉ चंद्रा ने निवारक स्वास्थ्य के महत्व पर जोर देते हुए कहा, गोल्डन ऑवर (जान बचाने के लिहाज से कीमती समय) के दौरान आपातकालीन एंजियोप्लास्टी से अनगिनत लोगों की जान बचाई जा सकती है, तथा उन्नत हृदय संबंधी उपचार अब 80 और 90 वर्ष की आयु के रोगियों के लिए भी सुलभ हैं। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित एंडोक्राइनोलॉजिस्ट और मधुमेह विशेषज्ञ डॉ. अनूप मिश्रा ने मधुमेह पर अपनी चिंताएं व्यक्त कीं। 'फोर्टिस सी-डॉक हॉस्पिटल फॉर डायबिटीज एंड एलाइड साइंसेज' के चेयरमैन और दिल्ली एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) के पूर्व प्रोफेसर (मेडिसिन) ने कहा, दिल्ली में हर तीन में से एक निवासी मधुमेह से पीड़ित है, जबकि 30 प्रतिशत लोग प्री-डायबिटिक हैं। यह गर्व करने लायक बात नहीं है- रोकथाम और प्रारंभिक नियंत्रण बेहद महत्वपूर्ण हैं। ओजेम्पिक जैसी दवाएं आशाजनक परिणाम दे सकती हैं, लेकिन जीवनशैली और जागरूकता ही हमारे पास सबसे मजबूत हथियार हैं।

सर गंगाराम अस्पताल में इंटरनल मेडिसीन के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. मोहसिन वली ने विश्वास आधारित देखभाल के महत्व पर जोर दिया और अपने अस्पताल के गैर-लाभकारी मॉडल का हवाला देते हुए कहा कि यह 'स्वास्थ्य सेवा जैसी होनी चाहिए' के आदर्श वाक्य को मूर्त रूप देता है।

पद्मश्री से सम्मानित डॉ. वली ने कहा, ऐसे मॉडल को अपनाकर हम गैर-संक्रामक रोगों के बढ़ते बोझ को प्रभावी ढंग से दूर कर सकते हैं और स्वस्थ भारत की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति कर सकते हैं। 'पैसिफिक वनहेल्थ' के अध्यक्ष और सह-संस्थापक डॉ. स्वदीप श्रीवास्तव ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा को विशेषाधिकार से आगे बढ़कर एक वादा बनना होगा, जो नैतिकता पर आधारित हो, नवाचार से संचालित हो और रोगी पर केंद्रित हो।

श्रीवास्तव ने कहा, पैसिफिक वनहेल्थ में हमारा मानना है कि भविष्य निवारक, प्राथमिक और तृतीयक देखभाल को निर्बाध रूप से जोड़ने में निहित है, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पीछे न छूटे।

सायरा बानो ने अपने 81वें जन्मदिन पर 'एक्स' पर अकाउंट बनाया

नई दिल्ली/भाषा। गुजरे जमाने की अभिनेत्री सायरा बानो सोशल मीडिया मंच 'एक्स' से जुड़ने वाली नई शख्सियत बन गई हैं। बानो ने शनिवार को अपने 81वें जन्मदिन पर 'एक्स' पर अपना पहला पोस्ट किया। इस पोस्ट में बानो ने पुरानी तस्वीरें साझा कीं। पहली तस्वीर में वह केक के सामने खड़ी दिखाई दे रही हैं। इसके बाद एक और तस्वीर है, जिसमें बानो अपने पति और दिवंगत अभिनेता दिलीप कुमार के साथ नजर आ रही हैं। बानो ने कहा कि वह इस मंच का इस्तेमाल जीवन के बारे में बात करने, पुरानी यादें ताजा करने और दिलीप कुमार को याद करने के लिए करेंगी। उन्होंने लिखा, आज, जब मैं जीवन के एक नए साल में कदम रख रही हूं, तो मैं यहां आप सभी के साथ समय बिताना चाहती हूं, जिंदगी के बारे में बात करना चाहती हूं, यादें ताजा करना चाहती हूं और वह सब कुछ करना चाहती हूं, जो दिलीप साहब को हमारे दिलों के करीब रखता है।

गोविंदा-सुनीता के तलाक की खबर फिर निकली अफवाह

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता के तलाक की खबरें काफी दिनों से चर्चाओं में थीं। अब अभिनेता के मैनेजर ने भी इसे सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने बताया कि ये सब बस अफवाहें हैं। बता दें, एक समय सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा था कि अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता का तलाक होने वाला है। लेकिन अभिनेता के मैनेजर ने शनिवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए इसे सिरे से खारिज करते हुए बताया कि भले ही कोर्ट में कुछ कागज जमा किए थे, लेकिन वह मामला पहले ही सुलझ गया था। अब गोविंदा और सुनीता के बीच सब कुछ ठीक है। उन्होंने कहा, तलाक से जुड़ी जो खबरें सामने आई हैं, वे पुरानी घटनाओं पर आधारित हैं और फिलहाल दंपत्ति के बीच सब कुछ ठीक है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या यह वही 2024 वाला केस है जो सुनीता ने बांद्रा फैमिली कोर्ट में दाखिल किया था, तो उन्होंने पुष्टि करते हुए कहा कि हां, यह वही केस है, लेकिन अब मामला सुलझ चुका है। शशि ने आगे बताया, यह पुरानी बात है जो फिर से ताजा खबर की तरह फैल रही है। कोई नई बात नहीं हुई है। मुझे लगातार कॉल आ रही हैं, लेकिन सब ठीक है। कपल के बीच लगभग सब कुछ सुलझ गया है। चिंता की कोई बात नहीं है। हम जल्द ही आधिकारिक बयान भी जारी करेंगे। उन्होंने मीडिया में फैल रही गलत जानकारियों को लेकर नाराजगी जाहिर की और कहा, क्या आपने गोविंदा को इसके बारे में बोलते देखा है? फिल्म इंडस्ट्री और मीडिया में लोग गलतफहमी और भ्रामक जानकारी का फायदा उठाते हैं।

कोई मूर्ख व्यक्ति इस विवाद से फायदा उठाना चाहता है। बता दें कि इस साल फरवरी में भी ऐसी खबरें सामने आई थीं कि सुनीता ने तलाक के लिए अर्जी दी है और कानूनी नोटिस भी भेजा है। वहीं, गोविंदा पिछले कुछ महीनों से मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। अक्टूबर में बंदूक की सफाई के दौरान उनके पैर में गोली लग गई थी।

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने परम सुंदरी में जाह्नवी कपूर के साथ काम करने पर कहा, वह अपने प्रदर्शन में स्वाभाविकता लेकर आती हैं

मुंबई/एजेन्सी

जाह्नवी कपूर लगातार खुद को भारतीय सिनेमा की सबसे चमकदार और बहुमुखी प्रतिभाओं में से एक के रूप में स्थापित कर रही हैं। सिर्फ सात साल के करियर में उन्होंने विभिन्न शैलियों की फिल्मों में काम किया है, जिससे उन्हें दर्शकों का प्यार और समीक्षकों की सराहना दोनों मिली है। अब, वह एक बार फिर अपने बहुप्रतीक्षित रिलीज़ परम सुंदरी के साथ दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं, जो इस शुक्रवार सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मनमोहक ट्रेलर से लेकर म्यूज़िक तक, जाह्नवी ने पहले ही दर्शकों को अपनी दिलचस्प ट्रांसफ़ॉर्मेशन से प्रभावित कर दिया है, जिसमें वह पहली बार आधी तमिल और आधी मलयाली लड़की का किरदार निभा रही हैं। परम सुंदरी के दिल्ली प्रमोशन्स के दौरान, उनके को-स्टार सिद्धार्थ मल्होत्रा जाह्नवी की मेहनत और नैचुरल टैलेंट की तारीफ करते नहीं थके।जाह्नवी के साथ काम करके मुझे बहुत अच्छा लगा,

सिद्धार्थ ने कहा। मुझे उनका वर्क एथिक बहुत पसंद आया, खासकर इस जॉनर की फिल्म में। स्क्रिप्ट पर पूरी तरह निर्भर रहने की बजाय, वह अपने इंस्टिंक्ट के साथ परफॉर्म करती हैं, उस पल में रिएक्ट करती हैं और वही जादू रचती हैं जिसकी तलाश हर अभिनेता करता है। और जाह्नवी के पास वह इंस्टिंक्ट भरपूर मात्रा में है। उनकी कोलैबोरेटिव स्पिरिट की तारीफ़ करते हुए उन्होंने आगे कहा: वह हमेशा नई चीज़ें ट्राई करने और इम्प्रोवाइज़ करने के लिए तैयार रहती हैं।

ट्रेलर में भी आप उस जादू की झलक साफ़ देख सकते हैं। सिद्धार्थ ने अपने एक पसंदीदा सीन को याद करते हुए मुस्कुराते हुए कहा, मेरा सबसे पसंदीदा सीन वह है जब वह अपनी मलयाली जड़ों को दिखाते हुए हमें नॉर्थ इंडियन लड़कों को देश की भाषाई विविधता के बारे में क्लास लगाती हैं। जहां तक उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स की बात है, जाह्नवी की लाइन-अप काफी दिलचस्प है वह करण जौहर की सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में वरुण धवन के साथ नजर आएंगी और अपनी पहली बड़ी पैन-इंडिया फिल्म पेड्डी में राम चरण के अपोज़िट दिखेंगी।

एटीवी राइड पर निकलीं मोनालिसा

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री मोनालिसा अक्सर अपनी सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए फैंस से जुड़ी रहती हैं। उनकी हर नई तस्वीर या वीडियो में उनका अलग और आकर्षक अंदाज देखने को मिलता है, जो लोगों का ध्यान तुरंत खींच लेता है। इस बार उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ नई और दिलचस्प पोस्ट्स शेयर की हैं, जिनमें उनका अनोखा लुक और मस्ती भरा अंदाज साफ नजर आ रहा है। मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए हैं, जिसमें फैंस को उनका बेहद अलग और मजेदार अंदाज देखने को मिला। वीडियो में वह येलो कलर की एक दमदार ऑल-टेरेन व्हीकल (एटीवी) चलाते हुए नजर आ रही हैं। उनके चेहरे पर जोश और मस्ती साफ झलक रही है, जिससे साफ पता चलता है कि वह इस एडवेंचर को कितना एन्जॉय कर रही हैं। उनके कपड़ों की बात करें तो उन्होंने ब्लैक कलर की स्लीवलेस ड्रेस पहन रखी है, जो उनके लुक को स्टाइलिश बना रही है। उनके चेहरे पर प्यारी मुस्कान साफ दिख रही है। कुछ अन्य तस्वीरों में भी वह ब्लैक ड्रेस में नजर आ रही हैं, जिसमें उन्होंने अपने बालों की दो चोटियां बनाई हुई हैं। साथ ही पिंक कलर की चप्पलें उनके कूल लुक को और भी निखार रही हैं। इस अनोखे लुक में मोनालिसा बेहद खूबसूरत लग रही हैं। पोस्ट के साथ मोनालिसा ने कैप्शन में लिखा है, 'क्या फन है!' इस पोस्ट पर उनके फैंस जमकर कमेंट्स कर रहे हैं।

उत्सव

छत्तीसगढ़ के जनजातीय कार्य, कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम शनिवार को रायपुर स्थित अपने सरकारी आवास पर पोरा उत्सव मनाते हुए।

परफेक्ट होना जरूरी नहीं, गलतियां भी ठीक हैं : अनन्या पांडे

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अनन्या पांडे का मानना है कि लगातार लोगों की नजरों में रहना कभी-कभी मुश्किल हो सकता है, लेकिन अपने चाहने वालों और लगातार काम पर ध्यान केंद्रित करने से वे संतुलन बनाए रखती हैं। अनन्या ने यह भी कहा कि उनका आत्मविश्वास खुद को स्वीकार करने से आता है और यह जानने से कि परफेक्ट होना जरूरी नहीं हैकभी-कभी गलतियां भी ठीक होती हैं।

बातचीत में अनन्या से पूछा कि वह लगातार लोगों की नजरों के बीच अपने आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को कैसे बनाए रखती हैं, तो उन्होंने इस सवाल का जवाब दिया, यह हमेशा आसान नहीं होता। कुछ दिन ऐसे भी होते हैं जब बातें आपको बहुत परेशान करने लगती हैं। समय के साथ उन्होंने यह सीख लिया है कि जिंदगी में सच्चे रिश्तों और पसंद के काम को अहमियत देना जरूरी है। अनन्या

ने बताया, मैं जमीन से जुड़ी रहने की कोशिश करती हूं और खुद को याद दिलाती हूं कि परफेक्ट न होना भी ठीक है।

आत्मविश्वास तब आता है जब आप अपने अच्छे और बुरे दोनों में खुद को स्वीकार करते हैं। जैसा कि कहा जाता है, 'कोई भी परफेक्ट नहीं होता!'

अनन्या ने हाल ही में 'एयरबीएनबी' के लिए एक खास अनुभव की मेजबानी की, जिसमें उनकी ए-टीम ने हिस्सा लिया। इस अनुभव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, यह मेरे लिए सबसे खास अनुभवों में से एक है, लेकिन मेरे लिए इसमें सबसे खास बात यह है कि यहां पर मेहमानों के अंदर आत्मविश्वास में बदलाव देखना। यह उनके लुक को बदलने के बारे में नहीं है, बल्कि उनके असल रूप को सेलिब्रेट करने के बारे में है। ग्लैम सेशन के बाद, सभी के साथ समय बिताना, हंसी-मजाक, और मजेदार सेल्फी लेना इसे और भी यादगार बनाता है।

अनन्या की आगामी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में कार्तिक आर्यन, जैकी श्रॉफ, नीना गुप्ता और अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। कार्तिक और अनन्या इससे पहले 2019 में 'पति, पत्नी और वो' में साथ नजर आ चुके हैं। करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, शरीन मंट्री केडिया और किशोर अरोड़ा द्वारा निर्मित यह फिल्म अगले साल 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने की संभावना है।

टीआईएफएफ में अपनी सीरीज 'गांधी' के विश्व प्रीमियर को लेकर उत्साहित हूं : प्रतीक गांधी

मुंबई/भाषा

अभिनेता प्रतीक गांधी अगले महीने प्रतिष्ठित टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (टीआईएफएफ) में अपनी बहुप्रतीक्षित सीरीज 'गांधी' के विश्व प्रीमियर को लेकर उत्साहित हैं और उनका कहना है कि यह शो वैश्विक दर्शकों के लिए भारत में तैयार किया गया है। हंसल मेहता द्वारा निर्देशित यह सीरीज महात्मा गांधी के जीवन और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाली प्रभावशाली हस्तियों पर आधारित है।

स्कैम 1992, मडगांव एक्सप्रेस और सारे जहां से अच्छा में अपनी भूमिकाओं के लिए जाने जाने वाले प्रतीक गांधी ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार कहा, टीआईएफएफ (टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल) में चयनित होना सिर्फ मेरे या हमारी टीम के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक बहुत बड़ा क्षण है, क्योंकि यह पहली भारतीय वेब सीरीज है जिसे टीआईएफएफ में जगह मिली है। हम सभी भारत को एक सॉफ्ट पावर के रूप में देखते हैं। यह शो 'मेड इन इंडिया फॉर द ग्लोब' है जो गांधी पर बनी पहली सीरीज है और मुझे इस पर बहुत गर्व है। इस शो का पहला सीजन 1888 से 1915 तक गांधी के प्रारंभिक वर्षों पर केंद्रित होगा। इसके बाद के सीजन 1915 से 1932 और फिर 1932 से 1947 तक की उनकी यात्रा पर प्रकाश डालेंगे। अभिनेता प्रतीक गांधी (45) को उम्मीद है कि शो में दर्शाए गए गांधी के 'मानवीय' पक्ष वैश्विक स्तर पर लोगों के साथ जुड़ाव स्थापित करेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | रविवार | 24-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अनुपम धर्म को पाकर भी फल की इच्छा करना व्यर्थ है। किसी भी दबाव में आए बिना आत्मा के शुभ परिणाम से इस दूषण को छोड़ें। हमें सही-गलत के लिए शिक्षा ग्रहण नहीं करनी है बल्कि आगे बढ़ने के लिए करनी है। जहां समता आएगी, वहां धर्म के फल में संशय पैदा नहीं होगा। मिथ्या दृष्टि देवों के बाह्य, व्यवहारिक दिखते हुए दान आदि गुणों की प्रशंसा करना, वह मिथ्या मत की प्रशंसा करने के समान है।

वरिष्ठ नागरिक दिवस का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां 21 अगस्त को वनबंधु परिषद चेन्नई महिला समिति ने वरिष्ठ नागरिक दिवस का आयोजन किया। समिति ने उन युगल को आमंत्रित किया जिन्होंने अपनी शादी के साठ वर्ष पूर्ण कर लिए थे। इसमें कुल 8 युगल इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इनके मनोरंजन के लिए समिति ने अंताक्षरी और कुछ प्रश्न उत्तर तैयार किए जिसमें उन्होंने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। सभी वरिष्ठ सदस्यों से उनकी पसंदीदा फिल्म एवं उनके पसंदीदा हीरो हीरोइन के बारे में पूछा गया और उन्हीं से संबंधित कुछ गाने बनाकर उनके सामने प्रस्तुत किए गए। 60 साल की यह यात्रा अपने सह भागी के साथ कैसी रही? कुछ खट्टी मीठी यादें थीं, जिन्हें सभी युगल ने हमारे साथ साझा किया और यह भी बताया की सफल वैवाहिक जीवन के लिए क्या आवश्यक है। सबसे वरिष्ठ तो वह युगल था जिसने अपनी शादी के 72 साल पूर्ण किए। सभी वरिष्ठ नागरिकों को चेन्नई महिला समिति ने एक छोटी सी भेंट भी दी गई। इस कार्यक्रम में समिति के सभी सदस्यों के साथ राष्ट्रीय महिला समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे

समिति के अध्यक्ष दीपाली मोहता ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम करुणा मोहता,सपना माहेश्वरी, रश्मि चांडक, मृदुला झंवर, वीणा झंवर सृष्टि फोमरा, कविता गर्ग एवं पूरी सीनियर सिटीजन टीम का सहयोग रहा।

'सभी धर्म का लक्ष्य समत्वयोग की भावना का विकास करना'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने शनिवार को अपने प्रवचन में कहा कि समत्व योग की भावना को आत्मसात किए बिना साधना के राजमार्ग पर आत्मा का प्रवेश नहीं हो सकता। विश्व के सभी धर्म के भगवान अलग है, उपासना पद्धति अलग है लेकिन सबका मुख्य लक्ष्य है समत्वयोग की भावना का विकास करना। उसी में सच्ची शांति समृद्धि और सुख विद्यमान है।

उन्होंने कहा कि समत्व योग अपने आप में सर्वोत्तम औषधि है, जो हार्ट अटैक ब्लड ब्रेन हेमरेज जैसे असाध्य रोगों को रोकने के लिए ऑक्सीजन से महत्वपूर्ण है। मुनि कमलेश ने बताया कि क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, और वासना आदि विषमता की ज्वाला परमाणु बम से भी खतरनाक है।परमाणु बम तो तन का ही नुकसान करता है परंतु विषमता की ज्वाला आत्मा के सदगुण जलकर नष्ट करती है। आत्मा को दुर्गति में धकेलती है। शरीर को असाध्य रोगों का शिकार बनती है। जैन संत ने कहा समत्व योग में ही धर्म परमात्मा और साक्षात मोक्ष का निवास समाया हुआ है। इसका पालन करते हुए इंसान को क्या पशु भी सद्गति को प्राप्त करते हैं। विषमता को दूर करने के लिए कोई केमिकल्स नहीं है। सरकार के पास कोई साधन नहीं कानून इस समस्या को हल नहीं कर सकता, वीतवाणी ही मुक्ति दिला सकती है सशक्त माध्यम है।

बेंगलूरु में अमृतवाणी सत्संग का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शनिवार को बेंगलूरु के सरजापुर स्थित जेएनआर कन्वेंशन हॉल में अमृतवाणी पाठ का आयोजन हुआ। श्री सत्यानंदजी बाबा के शिष्य प्रेमजी महाराज के शिष्य बृजमोहनजी महाराज के सान्निध्य में हुए इस कार्यक्रम में सामूहिक अमृतवाणी पाठ किया गया। देवास से आए डॉ. भटनायक ने भजन की प्रस्तुति दी। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने सत्संग का लाभ उठाया। श्री बृजमोहनजी महाराज ने रामनाम की महिमा बताई। भक्ति भाव एवं पूर्ण श्रद्धा के साथ राम नाम जाप से मिलने वाली अद्भुत शक्ति का अनुभव करने की उन्होंने सभी को प्रेरणा दी।

इस अवसर पर चेन्नई के परमधाम अमृतवाणी सत्संग मंडल परिवार के सदस्य इस विशेष सत्संग में शामिल हुए। सत्संग में बद्री सोनी, सुरेश शर्मा, राजेन्द्र भूतड़ा, अरविन्द कुमार दाधीच परिवार सहित मधु सोनी, ममता शर्मा सहित दक्षिण भारत राष्ट्रमत चेन्नई के सम्पादक भूपेन्द्र कुमार 'भानू' सपत्नीक ने महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त किया।

'आत्मा की निर्मलता से ही धर्म की पुष्टि होती है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य भगवंत हीरचंद्रसूरिश्वरजी महाराज के पावन सान्निध्य में कल्पसूत्र वांचन का शुभारंभ शनिवार को हुआ।

इस अवसर पर लाभार्थी परिवार द्वारा आचार्यश्री को कल्पसूत्र वहोराया गया और ज्ञान पूजन सम्पन्न हुआ।

आचार्यश्री ने कल्पसूत्र की महिमा बताते हुए कहा कि कल्पसूत्र भद्रबाहु आचार्य द्वारा रचित एक अमूल्य जैन ग्रंथ है, जिसका वाचन पर्युषण पर्व के दौरान होता है। यह जैन इतिहास, आचार-विचार और परंपराओं का समृद्ध संग्रह है। इसे सुनने से मोक्ष की प्राप्ति और दुःखों से मुक्ति मिलने की मान्यता है। यह ग्रंथ केवल ग्रंथ नहीं, बल्कि जैन धर्म का जीवंत दस्तावेज है।

ग्रंथ के स्वरूप को प्रकट करते हुए उन्होंने बताया कि कल्पसूत्र को तीन भागों में विभाजित किया गया है चौबीस भगवानों का चरित्र, पाट परंपरा और साधु-साध्वी आचार की समाचारी। भगवान का निर्वाण हुआ तब चौथे आरे के तीन वर्ष और साढ़े आठ महीने शेष थे। भगवान की माता ने चौदह स्वप्न देखे और उनकी कुक्षी में च्यवन हुआ।

आचार्यश्री ने भगवान महावीर के जन्म, चौदह स्वप्न, च्यवन और 1008 लक्षणों का उल्लेख करते हुए पांच कल्याणक च्यवन कल्याणक, जन्म कल्याणक, दीक्षा कल्याणक, केवलज्ञान कल्याणक और निर्वाण कल्याणक की महत्ता समझाई।

समय का प्रमाद और शुभ कार्यों में देरी नहीं करनी चाहिए : वीरेंद्रमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां सैदापेट स्थित बाजार रोड में श्री एस एस जैन संघ स्थानक में विराजित श्री वीरेन्द्र मुनिजी म. सा. ने शनिवार को अपने प्रवचन में बताया कि यह पर्व जगाने आया है और आप को जागने का प्रयास करना चाहिए। जो भी शुभ कार्य करना हो तो आज ही करले और पाप कार्यों को कल पर छोड़ दें। समय मात्र का प्रमाद मत करें क्योंकि कल किसने देखा, इसलिए शुभ कार्य के लिए अभी नहीं तो कभी नहीं जैसी सोच होनी चाहिए। अगर धर्म का अवसर पाकर भी संसार के भोगों में चक्कर काटते रहेंगे तो चौरासी के चक्कर में भटकते रहते हैं। इन पावन दिनों में और हमेशा देव गुरु धर्म की उपासना करनी चाहिए, इन तीन तत्वों को समझना चाहिए। इस संसार में जितने भी जीव हैं मनुष्य हैं या देवी देवता भी हैं सब कर्मों से बंधे हुए है। एक अरिहंत परमात्मा ही हैं जो कर्म मुक्त हैं हमे भी उनकी ही आराधना करनी चाहिए उनके मार्ग को संपूर्ण श्रद्धा से अपनाना चाहिए।

प्रमाद का परिहार करके धर्म की शरण को स्वीकार करें : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड भवन में चातुर्मासार्थ विराजित क्रांतिकारी प्रवचनकार ओजस्वी वक्ता श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने अष्ट दिवसीय पर्वाधिराज पर्युषण प्रवचन माला के तहत शनिवार को कहा कि परम सौभाग्य से हमें प्रभु वीर का शासन मिला है। पर्युषण पर्व के पवित्र दिनों में भगवान की वाणी अंतगढ़ सूत्र के आलोक में जीवन के मर्म और आत्मा के धर्म को समझ कर साधना पथ को आलोकित करना सौभाग्य का सूचक है। प्रमाद का परिहार करके धर्म की शरण को स्वीकार करने में जरा भी देरी करना बहुत बड़ी भूल है ! प्रमाद अर्थात आत्म विस्मृति। आत्मा को भूलना जीवन की गंभीर भूल है इस भूल का संशोधन करना ही पर्यूषण पर्व की मूल भावना है। धर्म आचरण के बगैर जीवन पशु के समान होता है। धर्म के दामन को थाम कर जीने वाला सदैव प्रसन्नता का वरदान पाता है। मुश्किल हालातों में भी उसकी मुस्कान क्षीण नही हो पाती। जीवन के प्रत्येक मोर्चे पर धर्म का बल मजबूती प्रदान करता है। मुनि श्री ने कहा कि धर्म की सम्यक समझ प्राप्त करने के लिए जीवन मे गुरु की बहुत बड़ी भूमिका होती है। गुरु के अभाव में सार्थक जीवन जीने की शुरुआत ही नही होती। गुरु की अनुमति व स्वीकृति से किये गए कार्य निर्विघ्न रूप से सफल होते हैं दुर्गम राह भी सुगम और आसान हो जाती है। कोई भी कार्य शुरू करने के पहले गुरुजनों व उपकारी माँ-बाप का आशीर्वाद अवश्य लेना चाहिए।

मुनिश्री ने कहा कि माता पिता को सदैव प्रसन्न करने वाले व्यक्ति के जीवन मे यश,गौरव निरंतर बढ़ता ही रहता है। माँ बाप का सम्बन्ध सबसे प्रथम और करीबी का सम्बंध है शेष सारे सम्बन्ध बाद में बनते हैं। आज हमारे जीवन मे जो शिक्षा संस्कारों का बीज अंकुरित हुआ है वह माँ के बदौलत ही है। उनके असीम उपकार का बदला चुकाना आसान काम नहीं है। ऐसे उपकारी पूज्यवरो के दिल को ठेस पहुंचाना उनकी भावनाओं को आहत करना बहुत ही निकृष्टतम कृत्य है जिससे सदैव बचने का प्रयास करना चाहिए।

प्रत्येक पाप का कर्ज चुकाना ही पड़ता है : साध्वी इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित पर्युषण पर्व के चौथे दिन प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने अंतगड़ दशा सूत्र का विवेचन करते हुए कहा कि प्रत्येक पाप का कर्ज चुकाना ही पड़ता है, इसलिए हम कर्म सोच समझकर करें। इन कर्मों की बहुत बड़ी मार होती है। स्वयं परमात्मा भी कर्म कर्ज से बच नहीं सकते हैं। गजसुकुमाल मुनि को लाखों भव पूर्व का कर्ज सिर पर अग्नि का दहन सह कर चुकाना पड़ा। उन्होंने यह कर्ज साहूकार की भांति हंसते हंसते चुकाया। पर्युषण यही संदेश देता है कि इस संसार में जो हमें दुख दे रहे हैं, वे हकीकत में हमें कर्म कर्ज से मुक्ति दिलाने में सहायक मित्र होते हैं। हम किसी से वैर की गांठ नहीं बाँधें । ङ्कप्रवचन में साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने अच्छे परिवार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परिवार में सहनशक्ति बहुत जरूरी है। हमारे संस्कारों में परिवार को जोड़े रखने की भावना होनी चाहिए। माता पिता भी अपनी बिटियों को ऐसी शिक्षा दें कि वह ससुराल में सभी को अपना बना ले। मनमुटाव हो तो तुरंत झुक जाना चाहिए, क्योंकि समय के साथ दूरियां दीवार बन जाती हैं और पीढ़ियों से चल रहे संयुक्त परिवार बालू रेत की तरह बिखर जाते हैं। घर में बड़ों का आदर सम्मान होना चाहिए। घर में धार्मिक संस्कार होंगे तो वे घर कभी भी नही टूटेंगे। साध्वी श्री रिद्धिप्रभा जी ने शास्त्र वाचन किया। प्रवचन सभा में हर्षिका गोटावत ने 11 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने तपस्वी का सम्मान किया। मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया।

श्राविकाएँ गीतों की विरासत बचाएँ : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अंतरराष्ट्रीय प्राकृत केन्द्र के पूर्व निदेशक साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि आगम साहित्य में ज्ञान के अनेक फूल और फूलों के बीज बिखरे पड़े हैं, जरूरत है उनकी खेती करने की। श्री जैन संघ, अरुम्बाक्कम (चेन्नई) द्वारा एमएमडीए कॉलोनी स्थित रुक्मणी विद्यालय में आयोजित पर्युषण व्याख्यानमाला के चौथे दिन स्वाध्याय तप पर बोलते हुए डॉ. धींग ने कहा कि ध्यान से व्यक्तिगत कल्याण होता है, जबकि ज्ञान से परंपरा आगे बढ़ती है। जीवन की साधना में ज्ञान और ध्यान में संतुलन होना चाहिए। ज्ञान से ध्यान और ध्यान से ज्ञान का उत्कर्ष होता है। डॉ. धींग ने कहा कि मूल्यपरक लेखन करना भी स्वाध्याय का ही अंग है। उन्होंने बताया कि उनकी माता श्राविकारत्न उमरावदेवी धींग को लोक जीवन में रचे-बसे सैकड़ों धर्मगीत कंठस्थ थे। श्राविकाओं का कर्तव्य है कि वे जीवन में रस घोलने वाले पारंपरिक गीतों की विरासत को बचाएँ। माला-प्रसन्न भंसाली ने आगम का वाचन और विवेचन किया। स्वाध्यायी प्रणत धींग ने डॉ. दिलीप धींग की कविता आतंकवाद खत्म करना' सुनाकर शाबाशी पाई। अध्यक्ष जसवंतराज कावड़िया ने स्वाध्याय सेवा का महत्व बताया। मंत्री जंबूकुमार पदावत ने संचालन किया।

शुभ संस्कारों में परिणमन ही धर्म की सार्थकता : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

बेंगलूरु। शहर के गुरु ज्येष्ठ पुष्कर नरेश चातुर्मास समिति के तत्वावधान में ईटा गार्डन अपार्टमेंट के पास गुरुवन्ना देवरु मठ परिसर में आयोजित पर्युषण पर्व के चौथे दिन बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावक श्राविकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि विभाव से अपने आत्म स्वभाव में आना ही धर्म है। धर्म का स्वरूप व्यापक और विशाल है। धर्म का असली स्वरूप है अपने संस्कारों को शुभ भावों में परिवर्तित करना। उन्होंने कहा कि इस भौतिक संसार में शरीर, संपत्ति, सत्ता, सुरक्षा, सम्बन्ध जीव के अंत के साथ सभी यही संसार में ही रह जाएंगे। जीव के साथ अंत में उसके साथ जाते हैं केवल उसके किए गए सत्कर्म। पुण्य और पाप ही उसके साथ में जाने वाले हैं। स्वभाव, संस्कार और सत्कर्म ये तीन चीजें ही हमारे साथ में चलने वाली हैं बाकी सब जगत का पसारा सब यही संसार में रह जाने वाला है। मुनिश्री ने धर्म सभा में चंडकौशिक के तीन भवों के जीवन में घटित घटनाक्रमों पर विशेष प्रकाश डालते हुए कहा कि अशुभ संस्कारों को जड़ मूल से निकाल फेंकना और अपने जीवन में शुभ संस्कारो का बीजारोपण करना ही धर्म आराधना की सच्ची सार्थकता है। प्रारंभ में श्री शालिभद्र मुनि जी ने अंतगड सूत्र का वाचन कर विवेचना की। उन्होंने महान करुणा मूर्ति, समता, सहनशीलता और क्षमा के सागर गजसुकुमाल मुनि के प्रेरणादायक जीवन चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारी दृष्टि गुण ग्रहण की होनी चाहिए। स्वयं के दोषों को देखें, दूसरों से हमेशा गुण लेने का भाव रखना चाहिए। साध्वी समृद्धिश्री जी ने गत दिनों दिवंगत हुई साध्वी डॉ दर्शनप्रभाजी के महान असीम उपकारों को याद करते हुए कहा कि गुरुणीमैया का विराट संयमी जीवन हम सब के लिए प्रेरणास्रोत हैं, जिन्होंने हर सम-विषम परिस्थितियों में भी अपना आत्मविश्वास और आत्मबल के सहारे स्व और पर कल्याण करते हुए अपने अंत काल को भी सार्थक सिद्ध करते हुए आत्म कल्याण की दिशा में प्रयाण कर दिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने विभिन्न तपस्याओं के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। सभी तपस्वीयों का सम्मान चातुर्मास के तप अनुमोदना के लाभार्थी महावीरचन्द श्रीपाल मेहता परिवार ने किया। अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने सबका स्वागत किया।

भगवान बनना है तो भाग्यवान बनना पड़ेगा : डॉ. समकित मुनिजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में पर्व पर्युषण के चौथे दिवस शनिवार को प्रवचन के दौरान जयवंत मुनिजी म.सा. ने कहा कि यह पर्व जीवन में बार-बार नसीब नहीं होता। क्षमा मांगकर जीना ही सच्चा जीवन है। यदि पैर में पत्थर चुभ जाए तो कुछ देर की ही पीड़ा होती है, लेकिन यदि नफरत का कांटा दिल में चुभ जाए तो वह जन्मों-जन्मों तक रहता है। इसलिए ज्ञानीजन ने कहा है कि ऐसे कांटे निकालने के लिए ही यह पर्व आते है। यदि आत्मा का कल्याण और सुख-प्रेम चाहते हैं तो नफरत को हृदय से निकालना होगा। उन्होंने कहा कि पाप को अपने मन में दबाकर मत रखो, न ही इसे अगले जन्मों तक ले जाओ। यदि किसी से मतभेद या कटुता हो तो यहीं पर सुलझाकर आगे बढ़ो, क्योंकि जीवन का कोई भरोसा नहीं-कौन-सा पल आख़िरी होगा, यह कोई नहीं जानता। इसलिए अच्छे भावों के साथ जीवन जीना चाहिए।

प्रवचन को आगे बढ़ाते हुए डॉ. समकित मुनिजी म.सा. ने कहा कि कर्मों को खत्म करना हमारे हाथ में है लेकिन रिश्तों को खत्म करना हमारे हाथ में नहीं। मित्रता और दुश्मनी दोनों मिलन और भिड़ंत से बनते हैं। रिश्ते तोड़े नहीं जा सकते, चाहे भाई से बात करो या न करो, मतभेद कितने ही क्यों न हों-रिश्ता समाप्त नहीं होता। उन्होंने कहा कि तपस्या, दान, प्रतिक्रमण करने से दुश्मनी खत्म नहीं होती। यह केवल क्षमा के आदान-प्रदान से ही समाप्त होती है। उन्होंने सज्जन और दुर्जन की परिभाषा बताते हुए कहा कि जो मांगने पर क्षमा कर दे वह सज्जन है, जो मांगने पर भी क्षमा न करे वह दुर्जन है, और जो बिना मांगे ही क्षमा कर दे वही भगवन है। श्रीराम के जीवन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि माता कैकेयी ने उनका राजसिंहासन छीनकर 14 वर्ष का वनवास दे दिया, लेकिन श्रीराम ने कभी उनके प्रति द्वेष नहीं रखा। यही क्षमा का भाव है। एक प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने कहा कि जब रिश्तों में अहंकार आ जाता है तो अच्छे-खासे रिश्ते भी टूट जाते हैं। इसलिए पर्युषण का पर्व भीतर के इस ज़हर को निकालने का अवसर है। इस मौके पर शनिवार को ध्यान दिवस के रूप में मनाया गया।

भगवान गणेश का रात्रि जागरण 30 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां नीलांगरे एमजीआर सालै स्थित सीरवी समाज भवन में 'एक शाम गणेशजी के नाम' भक्ति संध्या का आयोजन कुमावत समाज ईसीआर-ओएमआर द्वारा आगामी 30 अगस्त को किया जा रहा है। एमजीआर सालै स्थित 13ए, गणेश एवेन्यू में होने जा रहे यह जागरण रात्रि सवा नौ बजे से भजन गायक सोनू महाराज एण्ड पार्टी द्वारा भजनों की प्रस्तुति से होगा। संस्था द्वारा पहली बार आयोजित होने जा रहे इस कार्यक्रम को लेकर अध्यक्ष रमेशचंद गुगाण, उपाध्यक्ष बगदाराम दुबलदिया, सचिव गौतमचंद अडाणिया, सहसचिव भौनाराम अडाणिया, कोषाध्यक्ष जगदीशचंद घोड़ावड़ एवं राजूराम मावर, प्रदीपचंद गुगाण, राकेश पिपाड़ा नारायण मावर, बालुराम गुगाण, दिनेश अडाणीया आदि तैयारियों में जुटे हुए हैं।

संसद का 'एक नंबर पेड़' बना सुरक्षा चुनौती, शीघ्र ही उसे अन्यत्र लगाया जाएगा

नई दिल्ली/भाषा। नए संसद भवन के छह द्वारों में से एक, गज द्वार पर खड़े एक अकेले पेड़ को एसपीजी ने सुरक्षा बाधा के रूप में चिन्हित किया है और शीघ्र ही इसे उखाड़कर परिसर के भीतर ही लगाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अक्सर गज द्वार का इस्तेमाल करते हैं। इस पेड़ को दूसरे स्थान पर लगाने के इस निर्णय में कई एजेंसियां – विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी), केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) और दिल्ली वन विभाग शामिल हैं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.